हरिभूमि
रायपुर भूमि

मांसाहारी वन्यजीवों को डिहाईड्रेशन से बचाने डाइट में की गई कटौती

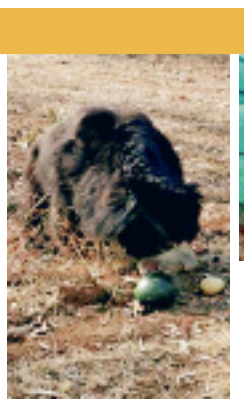

भीषण गर्मी में सफारी में बदला गया डाइट प्लान, चीतल सांभर, भालू खा रहे चना-गुड़, खली और तरबूज-खरबूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जंगल सफारी में वन्यजीवों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। गर्मी को ध्यान में रखते हुए वन्यजीवों की देखभाल के लिए दोपहर के समय विशेष कर जू कीपर को वन्यजीवों की निगरानी करने निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा जिन बाड़ों में सीधी धूप पड़ती है, वहां ग्रीन नेट लगाया गया है। इसके साथ ही कूलिंग सिस्टम को बेहतर करने के साथ पानी पर्याप्त ⏭शेष पेज 11 पर

अलग खबर

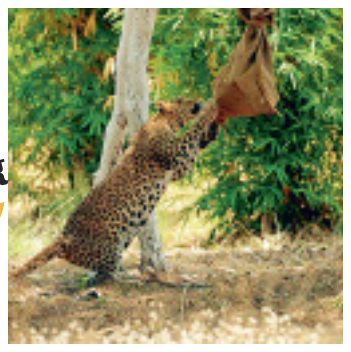

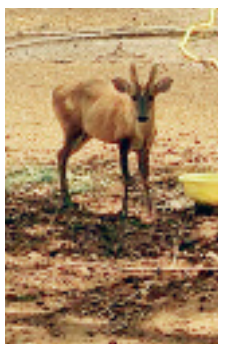

तापमान के अनुरूप डाइट में बदलाव

सफारी में शाकाहारी ओर मांसाहारी दोनों ही तरह के वन्यजीव हैं, इसको देखते हुए उनके अनुरूप ही भोजन उन्हें दिया जा रहा है। जानवरों को मिनरल्स की कमी न हो, पानी पर्याप्त मात्रा में मिले और डिहाईड्रेशन न हो, साथ ही इनके साथ रहने वाले रखवालों को को अच्छी तरह से प्रशिक्षित भी किया जा रहा है। इसके अलावा 24 घंटे निगरानी भी की जा रही है। सफारी में मांसाहारी वन्यजीवों की डाइट में कटौती की गई है। वयस्क मांसाहारी वन्यजीव को खाने में जो 11 से 12 किलो मटन दिया जाता है, उसमें तीन से चार किलो कटौती की गई है।

हर्बिबोर की डाइट में हरा चारा के साथ सीजनल फल

चीतल, हिरण, सांभर के साथ भालू जैसे शाकाहारी वन्यजीवों की डाइट में चना, खली तथा गुड़ जैसे खाद्य पदार्थ शामिल हैं। इसके साथ शाकाहारी प्रजाति के वन्यजीवों के लिए सफारी के एक बड़े भू-भाग को ग्रास लैंड के रूप में विकसित किया गया है। इसके साथ ही ऐसे फल जिसमें पानी की मात्रा ज्यादा हो, इसमें तरबूज, खरबूजा जैसे फल शाकाहारी वन्यजीवों को परोसा जा रहा है।

टाइगर के साथ तेंदुआ मस्ती करते दिख रहे

अनुकूल परिस्थिति होने की वजह से शाकाहारी के साथ मांसाहारी वन्यजीव अपने-अपने बाड़े में मस्ती करते नजर आ रहे हैं। सफारी के डायरेक्टर के अनुसार वन्यजीवों का अपने अपने बाड़े में जिन क्षेत्रों में आवाजाही ज्यादा रहती है, वहां पेड़ के नीचे अलग से पानी के टब रखे गए हैं। पानी में रहने वाले वन्यजीवों के लिए भी उनके अनुकूल व्यवस्था करने का दावा सफारी के डायरेक्टर ने की है।

छ.ग.-प्री.बी.एड.
प्रवेश परीक्षा 2026
ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन
अंतिम तिथि
24/04/2026
(संध्या 5 बजे तक)
बी.एम. कॉलेज
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9300850065
9340311314, 9303893829

खबर संक्षेप

खारुन में अज्ञात महिला की लाश मिली

रायपुर। डीडीनगर थाना क्षेत्र के खारुन नदी स्थित महादेव घाट में बुधवार को एक अज्ञात महिला की लाश मिली है। सुबह लोगों ने नदी में महिला की लाश देखी। इसके बाद लोगों ने लाश मिलने की पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आसपास के लोगों से महिला की शिनाख्ती करने की कोशिश की, लेकिन देर शाम तक महिला की शिनाख्ती नहीं हो पाई। महिला की शिनाख्ती के लिए डीडीनगर थाने की पुलिस मृतका की फोटो भेज कर शिनाख्ती करने का प्रयास कर रही है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मी पुरस्कृत

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट के नार्थ जोन के डीसीपी मयंक गुर्जर ने अपने जोन में बेहतर कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को प्रोत्साहित करने"कॉप ऑफ द मंथ" से सम्मानित किया। इसी कड़ी में गुढ़ियारी टीआई बीएल चंद्राकर, रामनगर चौकी प्रभारी एसआई प्रमोद कतलम, कांस्टेबल सुदीप मिश्रा के अलावा खम्हारडीह थाना क्षेत्र के दो पुलिस कर्मी देवेंद्र कुमार ध्रुव, महिला आरक्षक खेमिन साहू, उरला आरक्षक नरेश प्रधान, पंडरी आरक्षक कांति देवी गायकवाड़ को डीसीपी ने सम्मानित किया है।

हत्या की कोशिश का आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। टिकरापारा थाने की पुलिस ने युवक पर जानलेवा हमला करने के आरोपी को घटना के चंद घंटे के भीतर गिरफ्तार कर उसके खिलाफ हत्या की कोशिश करने का अपराध दर्ज किया है। विवेक साहू की शिकायत पर पुलिस ने रामा साहू को गिरफ्तार किया है। विवेक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि बुधवार को वह पटेल चौक के पास अपने दोस्तों के साथ खड़ा था। इस दौरान रामा वहां पहुंचा और धार्मिक नारा लगाते हुए उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर फरार हो गया।

बर्तन, गुंडी की रोज लगती है लाइन, पानी भरने के चक्कर में रोज किचकिच

पानी ने निकाला पसीना, आधा दर्जन कालोनी मुहल्ले में रोज 400 ट्रिप टैंकर, फिर भी गला सूखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम के जोन 3 क्षेत्र स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड के आधा दर्जन से ज्यादा रहवासी इलाकों में पानी की भारी किल्लत से रहवासी बेहद परेशान हैं। पेयजल संकट प्रभावित इलाकों में नगर निगम लोगों की प्यास बुझाने रोज 40 पानी टैंकर से 400 ट्रिप पानी की आपूर्ति करा रहा है, इसके बाद भी समस्या दूर होने का नाम नहीं ले रही। इस वार्ड के खम्हारडीह रेलवे पटरी के आसपास के पूरे एरिया में रहने वाली 5 हजार आबादी के अलावा सेल टैक्स कालोनी, गायत्री नगर, पार्वती नगर, नीलांचल विहार में जल संकट गहराया है। यहां टैंकर आते ही पाइप लाइन डालकर मुंह से पानी खींचकर अपने-अपने बर्तन भरने होड़ मच रही है। इसके चलते लाइन लगाकर पानी भरने की नौबत आ रही है। प्रभावित वार्ड के रहवासियों ने इससे पहले जोन 3 का घेराव कर निगम प्रशासन का ध्यान भी आकर्षित कराया था।

हरिभूमि सरोकार

■ नई पानी टंकी के भूमिपूजन का कार्यक्रम टला, जमीन निगम की नहीं

■ नगरीय प्रशासन मंत्री, उत्तर विधायक, महापौर के हाथों भूमिपूजन की रही तैयारी

प्राइवेट कालोनियों में बोर सूखे टंकी भरने 800 से 1200 रुपए में मंगा रहे प्राइवेट पानी टैंकर

शहर के आउटर इलाके में स्थित कई निजी कालोनियों में तेज गर्मी के कारण बोरवेल सूखने से उन्हें अपनी कालोनी की टंकी भरने प्राइवेट पानी टैंकर मंगाना पड़ रहा है। भुक्त भोगियो का कहना है कि नगर निगम से भी हमने पानी टैंकर की मांग की है, पर वहां से व्यवस्था नहीं होने से 800 से 1200 रुपए खर्च कर प्राइवेट पानी टैंकर मंगाना पड़ रहा है। पॉश कालोनियों में प्राइवेट पानी टैंकर की खपत ज्यादा होने से दिन में 10 ट्रिप से ज्यादा पानी निजी टैंकर से आपूर्ति हो रही है। शंकर नगर क्षेत्र के अशोका रतन, सिंगापुर सिटी, कैपिटल होम 2 ने नगर निगम को पत्र लिखकर पानी टैंकर की डिमांड की है। निगम प्रशासन अब तक यह तय नहीं कर पाया कि बड़ी कालोनियों में पानी टैंकर भेजे या नहीं। इसीलिए इन कालोनियों में प्राइवेट टैंकर मंगाकर कालोनी वासियों को जल आपूर्ति की जा रही है। इसी तरह मारुति सालिटेयर अपार्टमेंट सहित अन्य प्राइवेट कालोनियों में बोर सूखने की वजह से प्राइवेट पानी टैंकर से पानी खरीदने की नौबत आई है।

टंकी का भूमिपूजन कार्यक्रम स्थगित, जहां टंकी बननी है वह जमीन निगम की नहीं

नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड के खम्हारडीह एरिया में 22 करोड़ की लागत से 25 लाख लीटर क्षमता की नई पानी टंकी निर्माण के लिए होने वाला भूमिपूजन कार्यक्रम ऐन वक्त पर टल गया है। नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने टंकी भूमिपूजन कार्यक्रम की तैयारी पूरी कर ली थी। कार्यक्रम के अनुसार नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के हाथों इसका भूमिपूजन कार्यक्रम होना था, बाद में पता चला कि जिस जमीन पर नगर निगम पानी टंकी बनवाने जा रहा है, वह जमीन नगर निगम के नाम पर नहीं है। भूमिपूजन कार्यक्रम में रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, जोन 3 अध्यक्ष साधना-प्रमोद साहू सहित जनप्रतिनिधियों को शामिल होना था।
नगर निगम जोन 3 कमिश्नरी अंतर्गत नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड के पेयजल समस्या ग्रस्त खम्हारडीह एरिया में नई पानी टंकी का निर्माण होना है। इसके लिए नगर निगम की ओर से ऑनलाइन टेंडर कर एजेंसी तय कर ली गई है। अनुबंधित एजेंसी को इस कार्य के लिए वर्कआर्डर भी जारी हो गया है, पर भूमिपूजन से पहले जमीन को लेकर असमंजस की स्थिति निर्मित होने से यह कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। जोन 3 अध्यक्ष साधना-प्रमोद साहू ने बताया कि पूर्व में खम्हारडीह ग्राम पंचायत हुआ करता था। संबंधित जमीन पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग के महिला बाल विकास के नाम से पुराने रिकार्ड में दर्ज है। नई पानी टंकी के लिए नगर निगम ने तीन जगहों पर जमीन देखी थी, इनमें पहली जमीन पार्षद कार्यालय के पीछे वाली खाली सरकारी जमीन है, जिस पर नई पानी बनना प्रस्तावित है, दूसरी जमीन जयस्तंभ चौक खम्हारडीह के पास देखी गई, तीसरी जमीन खम्हारडीह में पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय श्यामाचरण शुक्ल के तिगड्डा चौक के पास देखी गई। जोन 3 अध्यक्ष का कहना है कि निगम की ओर से संबंधित तहसीलदार को पत्र लिखा गया है, इसके साथ ही जमीन को लेकर विभिन्न विभागों से एनओसी ली जा रही है। प्रक्रिया पूरी होते ही जिला कलेक्टर द्वारा पानी टंकी के लिए इस जमीन का एलॉटमेंट कर दिया जाएगा।

2 जगह पानी का अवैध कारोबार, नेता प्रतिपक्ष से की शिकायत

चंगोराभाठा क्षेत्र के करन नगर और महर्षि वाल्मिकी वार्ड के एटीएम चौक पर पानी के अवैध कारोबार की शिकायत सामने आई है। नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी से मिलकर चंगोरा के स्थानीय निवासियों ने शिकायत की, उनके इलाके में बोर सूखने से जहां पानी संकट से लोग त्रस्त हैं, वही किशोर पटले द्वारा अवैध रूप से पानी का कारोबार संचालित किया जा रहा है। पानी के जार का कार्य धड़ल्ले से किया जा रहा है। अपने बोर से लगातार पानी का व्यावसायिक उपयोग करने से आसपास के बोर प्रभावित हो रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने अधिकारियों से इस संबंध में जानकारी ली, तो पता चला कि पूर्व महापौर एजाज ढेबर की परिषद ने जन शिकायत के बाद कार्रवाई करते हुए इसे सील करवा दिया था। जैसे ही सरकार बदली करन नगर में पानी का अवैध कारोबार फिर से संचालित हो रहा है। इसे तत्काल सीलबंद करने की मांग रहवासियों ने की। इसी तरह महर्षि वाल्मिकी वार्ड के एटीएम चौक पर संतोष ⏭शेष पेज 11 पर

कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर जालसाजी

एनआरसी की निलंबित रजिस्ट्रार सहित 7 पर धोखाधड़ी का अपराध

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- नर्सिंग संचालनालय की डिप्टी डायरेक्टर ने गोलबाजार थाने में लिखाई रिपोर्ट
- चार निजी नर्सिंग कालेज के प्राचार्य, काउंसिल के दो कर्मचारी साजिश में शामिल

निजी नर्सिंग कालेजों को मान्यता दिलाने कूटरचित दस्तावेज का सहारा लेने के मामले में नर्सिंग काउंसिल की निलंबित रजिस्ट्रार दुर्गा कुंजाम सहित 7 लोगों के खिलाफ गोलबाजार थाने में धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया गया है। इस अनियमितता में रजिस्ट्रार के साथ नर्सिंग काउंसिल के दो कर्मचारी और चार निजी कालेज के प्राचार्य भी शामिल थे। मामले में नर्सिंग संचालनालय की डिप्टी डायरेक्टर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। निजी नर्सिंग कालेजों का काउंसिल में पंजीयन कराने में देर पर उठने वाली आवाज के बाद यह मामला सामने आया था। इस दौरान रजिस्ट्रेशन ⏭शेष पेज 11 पर

जनगणना और सुशासन के लिए 3 माह छुट्टियों पर रोक

सरकारी कर्मचारी बिना अनुमति छुट्टी पर नहीं जाएंगे, आदेश नहीं मानने पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियों पर अगले तीन महीने के लिए रोक लगा दी गई है। यह फैसला जनगणना और सुशासन तिहार को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। अब कर्मचारी बिना पूर्व अनुमति छुट्टी पर नहीं जा सकेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग से जारी आदेश में कहा गया कि बिना स्वीकृति के छुट्टी पर जाना गंभीर अनुशासनहीनता माना जाएगा। जारी आदेश के मुताबिक कोई भी शासकीय कर्मचारी सक्षम अधिकारी से छुट्टी

मंजूर कराए बिना अवकाश पर नहीं जा सकेगा। यदि कोई कर्मचारी बिना अनुमति अनुपस्थित रहता है, तो इसे सेवा में बाधा मानते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अगले तीन महीनों तक इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने के ⏭शेष पेज 11 पर

लंबी छुट्टी से पहले प्रभार सौंपना जरूरी

अगर कोई कर्मचारी लंबी छुट्टी (अर्जित अवकाश आदि) पर जाता है, तो उसे पहले अपने काम का प्रभार किसी अन्य अधिकारी या कर्मचारी को सौंपना होगा।

सख्ती से पालन के निर्देश

जीएडी ने सभी विभागों, संभागायुक्तों और कलेक्टरों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सरकार के इस फैसले को प्रशासनिक कामकाज को सुचारू बनाए रखने और बड़े सरकारी कार्यक्रमों को समय पर पूरा करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

खाद्यान्न का भंडारण नहीं होने के कारण वितरण प्रभावित

मार्च में छूटे 8 लाख हितग्राही अब ले सकेंगे खाद्यान्न, साफ्टवेयर में खोला गया ऑप्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मार्च में एनआईसी अफसरों की लापरवाही तथा साफ्टवेयर अपडेट करने एवं उसमें आई तकनीकी खराबी के कारण 8 लाख कार्ड धारकों को खाद्यान्न से वंचित होना पड़ा था। सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत संचालित उचित मूल्य दुकानों के हितग्राहियों से जुड़ी इस खबर को हरिभूमि ने प्राथमिकता से प्रकाशित किया था। इस खबर का असर यह हुआ कि शासन ने अब बचे हुए कार्ड धारकों को मार्च का खाद्यान्न वितरण करने का आदेश जारी किया है। इसके तहत साफ्टवेयर में मार्च का ऑप्शन भी खोल दिया है, ताकि छूटे हुए हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण किया जा सके।

खबर का असर

अब एक साथ चार माह का मिलेगा चावल

पिछले मार्च में छूटे हितग्राहियों को अब चालू अप्रैल में खाद्यान्न मिलेगा। इस आदेश के बाद अब चालू माह में कई हितग्राहियों को एक साथ चार महीने का चावल मिलेगा, क्योंकि चालू माह में अप्रैल, मई एवं जून महीने का चावल एपीएल को छोड़कर अन्य हितग्राहियों को एक साथ बांटा जा रहा है। ऐसे में मार्च में भी कई बीपीएल सहित अन्य वर्ग के हितग्राही भी हैं, जो चावल उठा नहीं पाए थे।

80 लाख 58 हजार में 71 लाख 72 हजार हितग्राहियों को बांटा गया था खाद्यान्न

मार्च में पूरे प्रदेश में उचित मूल्य की दुकानों में 71 लाख 72 हजार 535 राशन कार्ड धारकों को खाद्यान्न बांटा गया था, जबकि पंजीकृत राशन कार्डों की संख्या 80 लाख 58 हजार 333 है। इस तरह 8 लाख से भी अधिक कार्ड धारकों को खाद्यान्न वितरण नहीं हो पाया था। इस तरह छूटे हुए कार्ड धारकों का एक महीने का खाद्यान्न लैप्स हो गया। वितरण नहीं हो पाने का मुख्य कारण ई-पॉस मशीन के साफ्टवेयर को अपडेट किया जाना था। एनआईसी द्वारा साफ्टवेयर अपडेट के कारण लगभग 5 दिनों तक दुकानों में वितरण नहीं हो पाया, वहीं अपडेट होने के बाद भी साफ्टवेयर में तकनीकी दिक्कत होने लगी थी, जिससे तीन दिन और वितरण प्रभावित रहा। इस तरह महीने के आखिरी दिनों में 21 से 28 तारीख तक वितरण प्रभावित रहा। हालांकि दुकानों में खाद्यान्न का भंडारण नहीं होने के कारण भी वितरण प्रभावित हुआ था।

आप्शन खोल दिया गया है

मार्च में छूटे हुए हितग्राहियों को खाद्यान्न बांटने का आदेश जारी हुआ है। इसके लिए साफ्टवेयर में ऑप्शन खोल दिया गया है। जिले की सभी राशन दुकानों को सूचना जारी कर दी गई है कि वे छूटे हुए हितग्राही को इसकी जानकारी दें, ताकि वे मार्च का खाद्यान्न ले सकें।
- भूपेंद्र मिश्रा, खाद्य नियंत्रक रायपुर

खबर संक्षेप

आरंग में एक्यूपंक्चर शिविर का शुभारंभ

आरंग। राधा कृष्ण मंदिर आरंग में जन सेवा समिति द्वारा आयोजित एक्यूपंक्चर चिकित्सा शिविर का शुभारंभ हुआ। छत्तीसगढ़ चर्म शिल्प आयोग के अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा एवं अनुविभागीय अधिकारी अभिलाषा ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन कर किया। स्व. अशोक आहूजा की पुण्यतिथि पर शिविर में उपस्थित मरीजों के पश्चात प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बीएमओ की उपस्थिति में फल वितरण किया गया। ध्रुव मिर्धा एवं अभिलाषा को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। अतिथिगणों को डॉ. बी. ए. चौधरी द्वारा उपचार की विधि बताई गई एवं उपचार से होने वाले फायदों की जानकारी दी गई। यह शिविर 27 अप्रैल तक चलेगा। कार्यक्रम में आरंग तहसीलदार, राधा कृष्ण मंदिर के मुख्य सर्वरकार सावन शुक्ल एवं सभी ट्रस्टीगण उपस्थित रहे।

घासुराम बने तहसील साहू संघ के मीडिया संयोजक

अभनपुर। तहसील अध्यक्ष ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए नगर साहू समाज के अध्यक्ष

घासुराम साहू को तहसील साहू संघ का मीडिया संयोजक नियुक्त किया है। श्री साहू की नियुक्ति पर अनुज राम साहू, श्रीमती रेखा साहू, रूपनारायण साहू, टिकेंद्र साहू, सुखदेव साहू, पवन गुरूपंच,मुरली साहू, मदन साहू,नेतराम साहू,भोजराम साहू ,टेकचंद साहू सहित सामाजिक पदाधिकारियों एवं सामाजिकजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने साढ़े तीन करोड़ छत्तीसगढ़िया जनमानस की भावनाओं के अनुरूप भारत सरकार जनगणना विभाग द्वारा जारी स्व जनगणना पोर्टल में मातृभाषा के कालम में छत्तीसगढ़ी भाषा का विकल्प शामिल करने कलेक्टर को ज्ञापन दिया । ज्ञात हो कि 28 नवंबर 2007 को 'छत्तीसगढ़ी भाषा को छत्तीसगढ़ शासन राजभाषा आयोग द्वारा राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है। इस मौके पर पार्टी के पदाधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 में भाषाई सर्वेक्षण करवाया गया है उसके अनुसार छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ी भाषा 65% से अधिक जनसंख्या द्वारा उपयोग किया जाता है जबकि इसी सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ राज्य के अंदर हिंदी भाषा बोलने बालों का प्रतिशत मात्र 2% है फिर भी जनगणना कार्य में छत्तीसगढ़ कि अधिकारिक छत्तीसगढ़ी भाषा की उपेक्षा की जा रही है।

पृथ्वी को बचाने जंगल को बचाना होगा : राव

रायपुर। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन में परिचर्चा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान मुख्य वन सरंक्षक एवं वन बल प्रमुख श्रीनिवास राव ने ब्रह्माकुमारी संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि मेडिटेशन से स्वच्छ आचरण, स्वच्छ व्यवहार और स्वच्छ पर्यावरण में मदद मिलती है। हमारी पृथ्वी जीवित लोगों के लिए जीवन्त ग्रह है। हमारे लिए यह एक ही धरती है।

जीवित रहने के लिए और कोई दूसरा ग्रह नहीं है। इसलिए हमें अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। जागरूक होकर संसाधनों का सदुपयोग करना होगा। हमें पृथ्वी को बचाना है तो जंगल को बचाना होगा।

समाज में एकता, अनुशासन और शुद्ध सामाजिक विचारधारा को बनाए रखें

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर

साहू समाज ने दानवीर भामाशाह की जयंती धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाई

बेलभाटा स्थित सामाजिक भवन में साहू समाज द्वारा दानवीर भामाशाह की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक धनेंद्र साहू, पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू तथा जिला ग्रामीण अध्यक्ष देवनाथ साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान तहसील के नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह भी संपन्न हुआ।

- नवनिर्वाचित सदस्यों का हुआ शपथ ग्रहण

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनेंद्र साहू ने समाज में एकता, अनुशासन एवं शुद्ध सामाजिक विचारधारा को बनाए रखने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज को राजनीतिक अखाड़ा बनने से बचाना आवश्यक है।

साथ ही बड़े राजनीतिक पदों पर आसीन व्यक्तियों को सामाजिक पदों से दूर रहना चाहिए, जिससे समाज में किसी प्रकार की विकृति उत्पन्न न हो। उन्होंने यह भी चिंता व्यक्त की कि समाज का एक वर्ग नशे की ओर बढ़ रहा है। नई पीढ़ी अंतरजातीय विवाह की ओर अग्रसर हो रही है, जिसे रोकने के लिए समाज को ठोस और सकारात्मक कदम उठाने होंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दिखावे की बढ़ती प्रवृत्ति हानिकारक: चंद्रशेखर

चंद्रशेखर साहू ने अपने संबोधन में कहा कि साहू समाज कभी आदर्श सामूहिक विवाह के लिए जाना जाता था, लेकिन वर्तमान समय में इस परंपरा में गिरावट देखने को मिल रही है। उन्होंने दिखावे की बढ़ती प्रवृत्ति को सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से हानिकारक बताते हुए कहा कि विवाह के कुछ ही समय बाद तलाक की स्थिति चिंताजनक है, जिसे रोकने के लिए समाज के प्रमुखों को गंभीर प्रयास करने होंगे।

मशीन एक, इसलिए हर साल टारगेट का 20 प्रतिशत भी विभाग नहीं कर पाता नए बोरवेल

477 ग्रामों के लिए एक बोरवेल मशीन, 8227 में 250 से अधिक सूखे, 100 से ज्यादा खराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है, जिसके कारण कई ग्रामों में भू-जल का स्तर काफी नीचे चला गया है। इसके कारण कई ग्रामों में स्थापित किए गए बोर तक सूख चुके हैं, जिसके कारण ग्रामवासी पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। एक ओर जहां भू-जल स्तर के नीचे चले जाने से लगातार बोर सूख रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिला पंचायत रायपुर अंतर्गत 477 ग्रामों में बोरवेल खनन के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के पास मात्र एक ही मशीन उपलब्ध है। इस मशीन के जरिए ही ग्रामीण क्षेत्रों में बोरवेल किया जाता है। जिन-जिन ग्रामों में बोरवेल सूख चुके हैं, वहां नए बोरवेल के लिए हर साल पीएचई विभाग को टारगेट भी दिया जाता है। इस टारगेट के एवज में विभाग 20 प्रतिशत भी नए बोरवेल करा नहीं पाता, जो ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बड़ी समस्या बनी हुई है।

जल जीवन मिशन योजना के 175 ग्रामों में कार्य अपूर्ण

विभाग के आंकड़ों के अनुसार जल जीवन मिशन अंतर्गत रायपुर जिले के अभनपुर, आरंग, धरसींवा एवं तिल्दा ब्लॉक अंतर्गत कुल 477 ग्रामों में घर-घर नल कनेक्शन से पानी पहुंचाने का कार्य किए जा रहे हैं। इसके तहत 302 ग्रामों में कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, वहीं 175 ग्रामों में अब तक कार्य अधूरे हैं। हालांकि विभाग के इन आकड़ों को जिला पंचायत रायपुर के वतन चंद्राकर सहित अन्य कुछ सदस्यों ने गलत बताया है। सदस्यों के अनुसार कार्य पूर्ण होने के बाद भी थोक में कई ग्रामों में पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो पाई है, जिसके कारण वे गांव अभी भी प्यासे हैं।

256 सूख चुके हैंडपंप, नए लगे नहीं

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में पीएचई विभाग ने आकड़ा प्रस्तुत किया है। इसके तहत जिले के चारों ब्लॉक क्षेत्रों में कुल 477 ग्रामों में 8277 हैंडपंप स्थापित किए गए हैं। इनमें से वर्तमान में 7868 को चालू बताया गया है, जबकि 103 खराब तथा 256 सूख चुके हैं। इसके कारण इन हैंडपंपों का इस्तेमाल भी नहीं हो पा रहा है। इस तरह जिन ग्रामों में हैंडपंप सूख चुके हैं, वहां नए हैंडपंप लगाने के लिए बोरवेल किया जाना है। इसके लिए विभाग को टारगेट भी मिला है, लेकिन सूत्रों के अनुसार इस टारगेट के एवज में अभी तक कुछेक जगह ही नए बोरवेल किए गए हैं, जिसके कारण उन ग्रामों में पानी की समस्या गंभीर बनी हुई है। इधर सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि खराब पड़े हैंडपंपों को सुधारने के कार्य भी अटके हुए हैं। भीषण गर्मी के बावजूद इन हैंडपंपों को सुधारने के लिए अब तक कोई पहल नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि फंड नहीं होने के कारण हैंडपंपों को सुधारा नहीं जा रहा है। हालांकि इस मामले में विभागीय अधिकारियों द्वारा यही दावा किया जाता है कि खराब हैंडपंपों को लगातार सुधारा जा रहा है।

पिछले वर्ष 100 का मिला टारगेट, 20 भी नलकूप खनन नहीं कर पाया विभाग

पीएचई विभाग को वर्ष 2025 में गर्मी का सीजन शुरू होने से पूर्व तक 100 नलकूप खनन का टारगेट दिया गया था। इसकी तुलना में 20 नए नलकूप खनन भी नहीं कर पाया था। इसे लेकर जिला पंचायत सदस्यों ने गहरी नाराजगी भी जताई थी।

पानी का नमूना जांचे बगैर खोद दिया कुंआ

नलकूप खनन करने के पहले पानी का नमूना जांचा जा रहा है या नहीं, इसे लेकर भी कई ग्राम में शिकायत आ रही है, क्योंकि नलकूप खनन के बाद कुछ ग्रामों से शिकायत आई थी कि पानी पीने योग्य नहीं है। धरसींवा क्षेत्र के चरौदा से आई इस शिकायत की जांच भी कराई गई है। हालांकि अफसरों ने जांच में पानी को पीने योग्य बताया है। इधर तिल्दा के देवगांव में भी पानी का नमूना जांचे बिना ही एक कुंआ खोद दिया गया था, जिसकी शिकायत मिलने पर अफसरों ने कुंआ के पानी को क्लोरिनेशन कराना पड़ा। इस कुंए के पानी को अब पीने योग्य बताया गया है।

ज्ञानभारतम सर्वे 31 मई तक हर हाल में पूरा करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्य सचिव विकासशील ने कहा, शासकीय संस्थानों, मंदिरों, मठों, पुस्तकालयों, महाविद्यालयों एवं निजी संस्थानों में संरक्षित पांडुलिपियों के सर्वेक्षण के लिए सक्रिय प्रयास करें। उन्होंने कहा, परंपरागत समुदायों और पुरातात्विक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पांडुलिपियां और ज्ञान-संपदा मिल सकती है, इसलिए इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने जनभागीदारी बढ़ाने के लिए "पांडुलिपि ट्रेजर हंट" जैसे नवाचारों के आयोजन का सुझाव दिया गया, जिससे आम नागरिक भी इस अभियान से जुड़ सकें।

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय 'ज्ञानभारतम' राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वेक्षण अभियान समिति के सदस्य तथा सभी जिलों के कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। इस दौरान अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सर्वेक्षण कार्य 31 मई तक हर हाल में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा, यह सर्वे केवल प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन ज्ञान परंपरा के संरक्षण का महत्वपूर्ण अभियान है। जिलों में उपलब्ध पांडुलिपियों की पहचान, दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण और संरक्षण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए है।

प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर प्रोत्साहित करें

बैठक में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय पत्रकारों, साहित्यकारों, इतिहासकारों और जनप्रतिनिधियों को अभियान से जोड़ने पर बल दिया गया। यह अभियान पूरे देश के लिए ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और उसे आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सर्वेक्षण कार्य के दौरान पांडुलिपियों के स्वामित्व अधिकारों का सम्मान, बिना अनुमति स्थानांतरण न करने और सभी गतिविधियों में पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया गया।

जिपं रायपुर की सामान्य सभा में गूंजे जनहित के मुद्दे

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

- सदस्य वतन चन्द्राकर ने जमीन आवंटन, पेयजल, किसान और पंचायतों से जुड़े मुद्दे उठाये

मंगलवार को आयोजित जिला पंचायत रायपुर की सामान्य सभा की बैठक में जनहित से जुड़े कई अहम मुद्दे जोर-शोर से उठाए गए। जिला पंचायत सदस्य वतन चन्द्राकर ने बैठक में जमीन आवंटन से लेकर पेयजल, किसानों और पंचायतों से जुड़े विषयों पर सरकार को घेरते हुए आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार उद्योगपतियों के दबाव में काम कर रही है और आम जनता की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। बैठक में चन्द्राकर ने रीवा क्षेत्र में लगातार बनी हुई पेयजल समस्या को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने लखौली स्थित पुलिस बटालियन तक सेंध जलाशय से लाई गई पाइपलाइन को आगे बढ़ाते हुए रीवा तक पहुंचाने तथा चपरीद से भी पाइपलाइन विस्तार कर पानी उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा, जिसे सामान्य सभा में पारित कर शासन को भेजा गया। इसके अलावा उन्होंने आरंग विकासखंड की 16 पंचायतों में आदिवासी विभाग से स्वीकृत निर्माण कार्यों की राशि पिछले तीन वर्षों से लंबित होने का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि कार्य पूर्ण होने के बावजूद भुगतान नहीं होने से पंचायतों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए राशि तत्काल जारी की जाए। चन्द्राकर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों की समस्या भी उठाई। उन्होंने बताया कि कई पंचायतों में आवास निर्माण पूरा होने के बावजूद पिछले चार महीनों से राशि का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे गरीब परिवारों को कठिनाई हो रही है।

स्वच्छता विभाग के अंतर्गत शौचालय निर्माण करने वाले करीब 4000 हितग्राहियों को भी अब तक भुगतान नहीं मिलने का मुद्दा बैठक में प्रमुखता से उठाया गया। उन्होंने कहा कि कार्य पूर्ण होने के बाद भी राशि लंबित रखना सरासर अन्याय है। इसके साथ ही उन्होंने 15वें वित्त की राशि पंचायतों को समय पर आहरण नहीं होने की समस्या पर भी ध्यान आकर्षित किया। इससे गांवों में मूलभूत विकास कार्य बाधित हो रही हैं। पीएचई विभाग के अधूरे पड़े जल टंकियों को शीघ्र पूर्ण कर जल वितरण व्यवस्था को सुचारू करने की मांग भी बैठक में रखी गई।

उन्होंने कहा कि अधूरी योजनाओं के कारण ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। चन्द्राकर ने भलेरा सोसाइटी में धान में पानी डलवाने वाले सोसाइटी अध्यक्ष के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर भी नाराजगी जताई और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

ग्राम पंचायत रसनी में पंचायत की सहमति के बिना 56 एकड़ जमीन उद्योग विभाग को आवंटित किए जाने के मुद्दे को उठाते हुए उन्होंने इसे ग्रामीणों के अधिकारों का हनन बताया।

इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि समोदा बैराज से अडानी प्लांट रायखेड़ा तक पाइपलाइन बिछाने के लिए किसानों की जमीन बिना मुआवजा दिए खोदी जा रही है और उद्योगपतियों की ये हितैषी सरकार 600 करोड़ से अधिक की राशि अड़ानी को पानी देने के लिए मुहमेला तथा चिखली में नए बैराज के निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की है, जबकि गांवों में आज भी पेयजल की समस्या बनी हुई है।अंत में उन्होंने पारागांव आरंग की सोसाइटी में सेल्समैन द्वारा हितग्राहियों से अंगूठा लगवाकर चावल गबन करने के मामले को उठाया। उन्होंने कहा कि केवल निलंबन की कार्रवाई कर मामले को दबाने की कोशिश की गई है, जबकि दोषी से वसूली और एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। बैठक में उठाए गए इन मुद्दों के बाद संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाने की बात कही गई है।

सिंचाई विभाग के अमले को जनगणना ड्यूटी में लगाने का विरोध, नहरों के रखरखाव पर संकट

आरंग। जल संसाधन विभाग वैसे ही नहर प्रणाली के देखरेख हेतु मैदानी अमला की कमी से जुझ रहा है, उस पर तुर्रा यह कि इस अमले को ग्रामों के निस्तारी प्यास बुझाने नहरों में पानी बहते रहने व आसन्न खरीफ सिंचाई के लिये नहर प्रणाली के साफ - सफाई व रखरखाव के ऐन वक्त जनगणना ड्यूटी में लगा दिया गया है। रायपुर जिला जल उपभोक्ता संस्था संघ के अध्यक्ष रहे भूपेन्द्र शर्मा ने शासन - प्रशासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुये इस अमला को जनगणना ड्यूटी से मुक्त करने की मांग ज्ञापन सौंप कर की है। प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मुख्य सचिव विकासशील व मुख्यमंत्री सचिवालय के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह को मेल से प्रदत्त ज्ञापन में जानकारी दी गई है कि दो चरणों में पूर्ण किये जाने वाले जनगणना -27 के प्रथम चरण के लिये प्रशिक्षण कार्य शुरू हो गया है, जिसमें जल संसाधन विभाग में कार्यरत उप/सहायक यंत्रियों सहित टाईम कीपरों की ड्यूटी लगा दी गयी है और संभावना देर - सबेर अमीनों के भी लगाये जाने के प्रति वे आशंकित हैं।

फिलहाल बांधों से ग्रामों के तालाबों को भरने निस्तारी पानी छोड़े जाने व नहरों, वितरक शाखाओं व माइनरों में पानी छोड़ने के दौरान इन मैदानी अमलों को प्रशिक्षण ड्यूटी में लगाने से नहर प्रणाली व्यवस्था लड़खड़ा जाने की ओर है। आसन्न खरीफ सिंचाई के लिये नहर प्रणाली की साफ - सफाई व रखरखाव की व्यवस्था करने के दृष्टिकोण से इन्हें जनगणना ड्यूटी से मुक्त करने का आग्रह किया गया है। ज्ञापन में इन मैदानी अमलों की अत्यधिक कमी की ओर भी ध्यानाकृष्ट कराया गया है।

शासकीय सेवक किसी भी राजनीतिक दल के सदस्य नहीं बन सकेंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने सभी शासकीय सेवकों के लिए आचरण नियमों के पालन को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के तहत प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्पक्षता, ईमानदारी और निष्ठा के साथ करना अनिवार्य है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि कोई भी शासकीय सेवक किसी राजनीतिक दल या संगठन का सक्रिय सदस्य नहीं बन सकता और न ही किसी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाग ले सकता है। इसके अलावा, बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के किसी भी शासकीय या अशासकीय संस्था, समिति, संगठन या निकाय में कोई पद धारण करना भी प्रतिबंधित है। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि कोई भी कर्मचारी ऐसा कोई दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, जिससे उसके शासकीय कार्य प्रभावित हों। प्रशासन का मानना है कि इन नियमों का पालन सुनिश्चित करना सुशासन और प्रशासनिक पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई

सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे इन प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। यदि किसी भी स्तर पर नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित कर्मचारी के खिलाफ छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम और छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम के तहत सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकार के इस कदम को प्रशासनिक अनुशासन और निष्पक्षता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पिपरहट्टा की उषा ने पेश की स्वावलंबन की अनूठी मिसाल

महतारी वंदन के एक हजार की किस्त से बदली किस्मत

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

ग्रामीण अंचल की महिलाओं में यदि दृढ़ इच्छाशक्ति हो, तो वे न केवल अपने परिवार की तकदीर बदल सकती हैं, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणा पुंज भी बन सकती हैं। मंदिरहसौद परियोजना के तहत भानसोज सेक्टर के अधीनस्थ ग्राम पंचायत पिपरहट्टा की रहने वाली उषा बैस की कहानी इसी जज्बे को बयां करती है। एक समय था जब उषा की पारिवारिक और आर्थिक स्थिति बेहद गंभीर थी, लेकिन आज वे एक सफल दुग्ध व्यवसायी के रूप में पहचान बना चुकी हैं। उनके इस सफर की शुरुआत सरकार की महतारी वंदन योजना से हुई, जिसके तहत महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है।

उषा बताती हैं कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता खोमेश्वरी साहू की समझाइश और प्रेरणा से उन्होंने इस योजना का फॉर्म भरा था। आवेदन स्वीकृत होने के बाद उनके बैंक खाते में हर महीने एक हजार रुपये की राशि आने लगी। अधिकांश लोग इस छोटी राशि को घरेलू खर्चों में खर्च कर देते हैं, लेकिन उषा ने इसे एक पूंजी के रूप में देखा। उन्होंने धैर्य के साथ इन पैसों को जमा किया और जब खाते में आठ हजार रुपये इकट्ठा हो गए, तो उन्होंने स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाने का फैसला किया।

परिवार के सदस्यों से सलाह-मशविरा करने के बाद उषा ने उन पैसों से एक गाय खरीदी।उषा का यह छोटा सा निवेश जल्द ही बड़े लाभ में बदल गया। गाय खरीदने के कुछ समय बाद उसने एक बछिया को जन्म दिया और देखते ही देखते गाय से रोजाना आठ लीटर दूध मिलना शुरू हो गया। उषा ने इस दूध को स्थानीय दुग्ध सोसायटी में बेचना प्रारंभ किया, जिससे उनकी आमदनी का एक स्थायी जरिया बन गया। आज स्थिति यह है कि दूध की बिक्री से उषा के परिवार को सालाना 60 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक की आय हो रही है।इस सफलता ने न केवल उषा के परिवार को आर्थिक मजबूती दी है, बल्कि पूरे घर में खुशहाली का माहौल है। उषा अपनी इस उपलब्धि का श्रेय सरकार की कल्याणकारी महतारी वंदन योजना और सही समय पर मिली सही सलाह को देती हैं। उनकी यह कहानी आज दूसरे गांवों की महिलाओं को भी प्रेरित कर रही है कि कैसे सरकारी मदद का सही इस्तेमाल कर आत्मनिर्भर बना जा सकता है। आज उषा बैस का पूरा परिवार सरकार का हृदय से आभार व्यक्त कर रहा है, क्योंकि एक छोटी सी शुरुआत ने उन्हें आज स्वाभिमान के साथ जीने की राह दिखाई है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

सूचना

प्रति

(आवेदक) श्री/श्रीमती छगन/तुलसीराम (संबंधित नजदीकी भूमिस्वामी) श्री शत्रुहन यदु/लतेल यदु नि. नकटा, श्री लखन/तुलसीराम नि. नकटा, श्री गन्नू /तुलसीराम नि. नकटा

विषय - सीमांकन के संबंध में स्थल पर उपस्थित होने बाबत।

संदर्भ- न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश क्रमांक Q दिनांक 13/02/2026 के अनुसार

आवेदक के भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम नकटा पटवारी हल्का नंबर 14 राजस्व निरीक्षक मंडल व तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर (छ.ग.) के आवेदित खसरा नंबर 353/3 रकबा 0.24 हे. का सीमांकन हेतु तहसील कार्यालय/अ.वि.अ कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है, संदर्भित आदेश के परिपालन में दिनांक 24/04/2026 को समय 02 बजे सीमांकन हेतु स्थल निरीक्षण किया जाना है। अतः आवेदक एवं समीपस्थ भूमिस्वामी संबंधित दस्तावेजों सहित स्थल पर उपस्थित होवें। उक्त सीमांकन/बंदोबस्त त्रुटी/बटांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त सीमांकन तिथि के पूर्व संबंधित पटवारी कार्यालय में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद
जिला रायपुर (छ.ग.)

:: सूचना ::

प्रति,

आवेदक-

1. श्री/श्रीमती गन्नू / तुलसी राम
2. श्री अर्जुन वगैरह / बिसेसर नि. नकटा
3. श्री अशोक वगैरह / मनहरण नि. नकटा

विषयः- सीमांकन के संबंध में स्थल पर उपस्थित होने बाबत्।

संदर्भः- न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश क्रमांक Q दिनांक 13.02.2026 के अनुसार

आवेदक के भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम नकटा पटवारी हल्का नंबर 14 निरीक्षक मंडल व तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर (छ.ग.) के आवेदित खसरा नंबर 260 रकबा 0.110 हेक्टेयर का सीमांकन हेतु तहसील कार्यालय/ अ.वि.अ. कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है, संदर्भित आदेश के परिपालन में दिनांक 24.04.2026 को समय 02 बजे सीमांकन हेतु स्थल निरीक्षण किया जाना है। अतः आवेदक एवं समीपस्थ भूमिस्वामी संबंधित दस्तावेजों सहित स्थल पर उपस्थित होवें। उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त सीमांकन तिथि के पूर्व संबंधित पटवारी कार्यालय में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद

छत्तीसगढ़ में कर्मचारी चयन मंडल के गठन को राज्यपाल की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब व्यावसायिक परीक्षा मंडल यानी व्यापमं की जगह छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों की नियुक्तियां होंगी। दरअसल राज्य सरकार ने इस संबंध में विधानसभा से विधेयक पारित कराया था, अब इसे राज्यपाल की मंजूरी मिल गई है। राज्य में सरकारी नियुक्तियों की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस चयन मंडल के अस्तित्व में आने से राज्य के विभिन्न विभागों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती प्रक्रियाओं में तेजी आने की उम्मीद है। मंडल एक स्वतंत्र निकाय के रूप में कार्य करेगा, जिससे परीक्षाओं के आयोजन और परिणाम घोषित करने की समय-सीमा में सुधार होगा। मंडल के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी जल्द ही शासन द्वारा शुरू की जा सकती है।

व्यापमं की जगह लेगा मंडल, तृतीय, चतुर्थ श्रेणी पदों की होगी भर्ती

अब परीक्षाएं किस प्रकार ली जाएंगी?

अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, भर्ती प्रक्रियाओं के संचालन के लिए ये व्यवस्थाएं की गई हैं। केंद्रीकृत भर्ती प्रणाली- यह मण्डल मुख्य रूप से राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर सीधी भर्ती के लिए परीक्षाएं आयोजित करेगा। अधिनियम की धारा 13(1) स्पष्ट करती है कि भर्ती प्रक्रिया के संचालन के दौरान होने वाले व्यय की पूर्ति मण्डल निधि से की जाएगी। इसमें प्रश्नपत्र तैयार करने, परीक्षा केंद्रों के प्रबंधन और मूल्यांकन की प्रक्रिया शामिल है। परीक्षाओं का आयोजन राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार होगा। मण्डल को यह अधिकार होगा कि वह परीक्षाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए केंद्रों का निर्धारण करे और अनुचित साधनों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए।

मण्डल निधि' का होगा गठन

अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, मण्डल के सुचारू संचालन के लिए 'मण्डल निधि' नाम से एक समर्पित कोष बनाया जाएगा। मण्डल को प्राप्त होने वाली समस्त धनराशि इसी निधि में जमा की जाएगी। वित्तीय प्रबंधन- राज्य सरकार मण्डल को कार्यालय व्यय, अधिकारियों-कर्मचारियों के वेतन-भत्ते और भर्ती परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए आवश्यक बजट उपलब्ध कराएगी। सचिव की भूमिका- मण्डल के सचिव को 'आहरण एवं संवितरण अधिकारी' की शक्तियां दी गई हैं, जिससे वित्तीय कार्यों में तेजी आएगी।

बजट और ऑडिट की व्यवस्था

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अधिनियम में सख्त वित्तीय नियमों को शामिल किया गया है, मण्डल प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए आगामी वर्ष की अनुमानित प्राप्तियों और व्यय का बजट तैयार करेगा। मण्डल के खातों का प्रतिवर्ष निर्धारित रीति से ऑडिट किया जाएगा, ताकि आर्थिक पारदर्शिता बनी रहे।भर्ती प्रक्रियाओं में आएगी तेजीइस चयन मण्डल के अस्तित्व में आने से राज्य के विभिन्न विभागों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती प्रक्रियाओं में तेजी आने की उम्मीद है। मण्डल एक स्वतंत्र निकाय के रूप में कार्य करेगा, जिससे परीक्षाओं के आयोजन और परिणाम घोषित करने की समय-सीमा में सुधार होगा।

खबर संक्षेप

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने साढ़े तीन करोड़ छत्तीसगढ़िया जनमानस की भावनाओं के अनुरूप भारत सरकार जनगणना विभाग द्वारा जारी स्व जनगणना पोर्टल में मातृभाषा के कालम में छत्तीसगढ़ी भाषा का विकल्प शामिल करने कलेक्टर को ज्ञापन दिया । ज्ञात हो कि 28 नवंबर 2007 को 'छत्तीसगढ़ी भाषा को छत्तीसगढ़ शासन राजभाषा आयोग द्वारा राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है। इस मौके पर पार्टी के पदाधिकारियों ने बतया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 में भाषाई सर्वेक्षण करवाया गया है उसके अनुसार छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ी भाषा 65% से अधिक जनसंख्या द्वारा उपयोग किया जाता है जबकि इसी सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ राज्य के अंदर हिंदी भाषा बोलने बालों का प्रतिशत मात्र 2% है फिर भी जनगणना कार्य में छत्तीसगढ़ कि अधिकारिक छत्तीसगढ़ी भाषा की उपेक्षा की जा रही है।

107 किशोरियों को लगाया एचपीवी का निशुल्क टीका

रायपुर। सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौत को रोकने के लिए एम्स, जिला एवं आंबेडकर अस्पताल सहित तमाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में निशुल्क एचपीवी की वैक्सीन लगाई जा रही है। निराश करने वाली बात यह है कि गंभीर बीमारी से बचाने वाली इस निशुल्क टीका के प्रति झिझक कम नहीं हो रही है। रायपुर जिले में 36 दिन के अभियान में केवल 107 किशोरियों को यह टीका लगाया गया है। केंद्र सरकार द्वारा यह टीका निशुल्क उपलब्ध कराया गया है जबकि प्रायवेट सेक्टर में इसके लिए डेढ़ से दो हजार रुपए खर्च करना पड़ता है। यह टीका 14 से 15 साल के बीच की आयु वाली किशोरियों को लगाया जा रहा है। अन्य जिलों के साथ रायपुर में इसकी शुरुआत 17 मार्च से की गई है। जिला अस्पताल के बाद इसकी सुविधा आंबेडकर अस्पताल, एम्स के साथ तमाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित ओपीडी के दौरान दी जा रही है। इस वैक्सीन के प्रति लोगों को जागरुक करने में पर्याप्त सफलता नहीं मिल पाई है। जिले में अब तक केवल 107 लोगों को यह टीका लगाया जा सका है।

महतारी वंदन योजना की हितग्राही बनी दुग्ध व्यवसायी

रायपुर। महतारी वंदन योजना का लाभ ले रही एक महिला ने योजना की किस्त की मदद से दुग्ध व्यवसाय शुरू किया है। मंदिर हसौद के ग्राम पिपरहट्टा निवासी उषा बैस की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। महतारी वंदन योजना की किस्त मिलने से उसके जीवन में बदलाव आया। उसने दुग्ध का व्यवसाय शुरू किया, जिससे उसकी सालाना आय लगभग एक लाख रुपए तक पहुंच गई है। उषा को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता खोमेश्वरी साहू ने इस योजना के बारे में जानकारी दी और आवेदन के लिए प्रेरित किया। योजना के तहत नियमित रूप से मिलने वाली राशि को उषा ने खर्च करने के बजाय बचत के रूप में जमा करना शुरू किया।

मशीन एक, इसलिए हर साल टारगेट का 20 प्रतिशत भी विभाग नहीं कर पाता नए बोरवेल

477 ग्रामों के लिए एक बोरवेल मशीन, 8227 में 250 से अधिक सूखे, 100 से ज्यादा खराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है, जिसके कारण कई ग्रामों में भू-जल का स्तर काफी नीचे चला गया है। इसके कारण कई ग्रामों में स्थापित किए गए बोर तक सूख चुके हैं, जिसके कारण ग्रामवासी पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। एक ओर जहां भू-जल स्तर के नीचे चले जाने से लगातार बोर सूख रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिला पंचायत रायपुर अंतर्गत 477 ग्रामों में बोरवेल खनन के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के पास मात्र एक ही मशीन उपलब्ध है। इस मशीन के जरिए ही ग्रामीण क्षेत्रों में बोरवेल किया जाता है। जिन-जिन ग्रामों में बोरवेल सूख चुके हैं, वहां नए बोरवेल के लिए हर साल पीएचई विभाग को टारगेट भी दिया जाता है। इस टारगेट के एवज में विभाग 20 प्रतिशत भी नए बोरवेल करा नहीं पाता, जो ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बड़ी समस्या बनी हुई है।

जल जीवन मिशन योजना के 175 ग्रामों में कार्य अपूर्ण

विभाग के आंकड़ों के अनुसार जल जीवन मिशन अंतर्गत रायपुर जिले के अभनपुर, आरंग, धरसींवा एवं तिल्दा ब्लॉक अंतर्गत कुल 477 ग्रामों में घर-घर नल कनेक्शन से पानी पहुंचाने का कार्य किए जा रहे हैं। इसके तहत 302 ग्रामों में कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, वहीं 175 ग्रामों में अब तक कार्य अधूरे हैं। हालांकि विभाग के इन आकड़ों को जिला पंचायत रायपुर के वतन चंद्राकर सहित अन्य कुछ सदस्यों ने गलत बताया है। सदस्यों के अनुसार कार्य पूर्ण होने के बाद भी थोक में कई ग्रामों में पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो पाई है, जिसके कारण वे गांव अभी भी प्यासे हैं।

256 सूख चुके हैंडपंप, नए लगे नहीं

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में पीएचई विभाग ने आकड़ा प्रस्तुत किया है। इसके तहत जिले के चारों ब्लॉक क्षेत्रों में कुल 477 ग्रामों में 8277 हैंडपंप स्थापित किए गए हैं। इनमें से वर्तमान में 7868 को चालू बताया गया है, जबकि 103 खराब तथा 256 सूख चुके हैं। इसके कारण इन हैंडपंपों का इस्तेमाल भी नहीं हो पा रहा है। इस तरह जिन ग्रामों में हैंडपंप सूख चुके हैं, वहां नए हैंडपंप लगाने के लिए बोरवेल किया जाना है। इसके लिए विभाग को टारगेट भी मिला है, लेकिन सूत्रों के अनुसार इस टारगेट के एवज में अभी तक कुछेक जगह ही नए बोरवेल किए गए हैं, जिसके कारण उन ग्रामों में पानी की समस्या गंभीर बनी हुई है। इधर सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि खराब पड़े हैंडपंपों को सुधारने के कार्य भी अटके हुए हैं। भीषण गर्मी के बावजूद इन हैंडपंपों को सुधारने के लिए अब तक कोई पहल नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि फंड नहीं होने के कारण हैंडपंपों को सुधारा नहीं जा रहा है। हालांकि इस मामले में विभागीय अधिकारियों द्वारा यही दावा किया जाता है कि खराब हैंडपंपों को लगातार सुधारा जा रहा है।

पिछले वर्ष 100 का मिला टारगेट, 20 भी नलकूप खनन नहीं कर पाया विभाग

पीएचई विभाग को वर्ष 2025 में गर्मी का सीजन शुरू होने से पूर्व तक 100 नलकूप खनन का टारगेट दिया गया था। इसकी तुलना में 20 नए नलकूप खनन भी नहीं कर पाया था। इसे लेकर जिला पंचायत सदस्यों ने गहरी नाराजगी भी जताई थी।

पानी का नमूना जांचे बगैर खोद दिया कुंआ

नलकूप खनन करने के पहले पानी का नमूना जांचा जा रहा है या नहीं, इसे लेकर भी कई ग्राम में शिकायत आ रही है, क्योंकि नलकूप खनन के बाद कुछ ग्रामों से शिकायत आई थी कि पानी पीने योग्य नहीं है। धरसींवा क्षेत्र के चरौदा से आई इस शिकायत की जांच भी कराई गई है। हालांकि अफसरों ने जांच में पानी को पीने योग्य बताया है। इधर तिल्दा के देवगांव में भी पानी का नमूना जांचे बिना ही एक कुंआ खोद दिया गया था, जिसकी शिकायत मिलने पर अफसरों ने कुंआ के पानी को क्लोरिनेशन कराना पड़ा। इस कुंए के पानी को अब पीने योग्य बताया गया है।

ज्ञानभारतम् सर्वे 31 मई तक हर हाल में पूरा करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्य सचिव विकासशील ने कहा, शासकीय संस्थानों, मंदिरों, मठों, पुस्तकालयों, महाविद्यालयों एवं निजी संस्थानों में संरक्षित पांडुलिपियों के सर्वेक्षण के लिए सक्रिय प्रयास करें। उन्होंने कहा, परंपरागत समुदायों और पुरातात्विक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पांडुलिपियां और ज्ञान-संपदा मिल सकती है, इसलिए इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने जनभागीदारी बढ़ाने के लिए "पांडुलिपि ट्रेजर हंट" जैसे नवाचारों के आयोजन का सुझाव दिया गया, जिससे आम नागरिक भी इस अभियान से जुड़ सकें।

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय 'ज्ञानभारतम्' राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वेक्षण अभियान समिति के सदस्य तथा सभी जिलों के कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। इस दौरान अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सर्वेक्षण कार्य 31 मई तक हर हाल में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा, यह सर्वे केवल प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन ज्ञान परंपरा के संरक्षण का महत्वपूर्ण अभियान है। जिलों में उपलब्ध पांडुलिपियों की पहचान, दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण और संरक्षण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए है।

प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर प्रोत्साहित करें

बैठक में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय पत्रकारों, साहित्यकारों, इतिहासकारों और जनप्रतिनिधियों को अभियान से जोड़ने पर बल दिया गया। यह अभियान पूरे देश के लिए ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और उसे आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सर्वेक्षण कार्य के दौरान पांडुलिपियों के स्वामित्व अधिकारों का सम्मान, बिना अनुमति स्थानांतरण न करने और सभी गतिविधियों में पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया गया।

शासकीय सेवक किसी भी राजनीतिक दल के सदस्य नहीं बन सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने सभी शासकीय सेवकों के लिए आचरण नियमों के पालन को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के तहत प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्पक्षता, ईमानदारी और निष्ठा के साथ करना अनिवार्य है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि कोई भी शासकीय सेवक किसी राजनीतिक दल या संगठन का सक्रिय सदस्य नहीं बन सकता और न ही किसी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाग ले सकता है। इसके अलावा, बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के किसी भी शासकीय या अशासकीय संस्था, समिति, संगठन या निकाय में कोई पद धारण करना भी प्रतिबंधित है। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि कोई भी कर्मचारी ऐसा कोई दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, जिससे उसके शासकीय कार्य प्रभावित हों। प्रशासन का मानना है कि इन नियमों का पालन सुनिश्चित करना सुशासन और प्रशासनिक पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई

सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे इन प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। यदि किसी भी स्तर पर नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित कर्मचारी के खिलाफ छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम और छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम के तहत सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकार के इस कदम को प्रशासनिक अनुशासन और निष्पक्षता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

शासकीय संगठनों राजनैतिक दलों पर रोक क्या आरएसएस पर भी लागू होगी : कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने एक परिपत्र जारी किया है, इसके अनुसार कोई भी शासकीय कर्मचारी किसी राजनैतिक दल या संस्था का सदस्य नहीं हो सकता, किसी भी गतिविधियों में भाग नहीं ले सकता है, उसमें पदाधिकारी नहीं बन सकता। यह नियम पूरे देश में पहले से लागू है, इस नियम का कांग्रेस स्वागत करती है। उन्होंने कहा, एक सवाल खड़ा होता है कि क्या यह नियम आरएसएस पर भी लागू होगा ? या फिर इस नियम के अनुसार चिन्हांकित कर ही कार्रवाई की जाएगी?

30 को विधानसभा का विशेष सत्र, विपक्ष ने कहा- एक नहीं, दो दिन का बुलाएं

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्ष के खिलाफ लाया जाएगा निंदा प्रस्ताव : साव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोकसभा से पारित नहीं हो पाने पर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने 30 अप्रैल को छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र आहूत किया जा रहा है। विशेष सत्र की जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि सरकार की ओर से 30 अप्रैल को विशेष सत्र आयोजित करने का आग्रह हुआ। विधानसभा अध्यक्ष तय करेंगे कि कितने दिन का सत्र होगा। इधर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, अगर सरकार झूठ को सच साबित करने के लिए सत्र बुला रही है, तो एक दिन के बजाय दो दिन का सत्र बुला ले।

डिप्टी सीएम ने कहा, कांग्रेस और विपक्षी दलों ने आधी आबादी को उनके संवैधानिक अधिकार से वंचित करने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि उनके अधिकार दिलाने तक संघर्ष जारी रहेगा। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कहे जाने पर उप मुख्यमंत्री साव ने कहा, कांग्रेस घटिया और निम्न स्तर की राजनीति कर रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का इस तरह की भाषा का उपयोग करना दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ लोगों का अपमान है। कांग्रेस अपनी गिरती हुई राजनीति का परिचय दे रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने देश में आतंकवाद, अलगावाद और नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। ऐसे प्रधानमंत्री के लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कांग्रेस के राजनीतिक पतन और घटियापन को दर्शाता है।

विशेष सत्र बुलाने के फैसले पर महंत ने उठाए सवाल

छत्तीसगढ़ में विधानसभा के प्रस्तावित विशेष सत्र को लेकर नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने सत्र बुलाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, विधानसभा का विशेष सत्र प्रदेश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाया जाता है, लेकिन इस बार केंद्र के दबाव में केवल निंदा प्रस्ताव पारित कराने के उद्देश्य से सत्र बुलाया जा रहा है। हमने तो गांधी जयंती पर विशेष सत्र बुलाया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में पहली बार सुना है कि केवल निंदा प्रस्ताव के लिए विशेष सत्र बुलाया जा रहा है। डॉ. महंत ने यह भी कहा कि अगर सरकार झूठ को सच साबित करने के लिए सत्र बुला रही है, तो एक दिन के बजाय दो दिन का सत्र बुला ले। उन्होंने कहा, पहले दिन आप निंदा कर लीजिए, गालियां दे दीजिए और दूसरे दिन हमें भी अपनी बात रखने का मौका दीजिए।

33 प्रतिशत बीजेपी सांसदों, प्रधानमंत्री को पत्र लिखे : उपाध्याय

महिला आरक्षण को लेकर बीजेपी सांसदों को उपाध्याय ने लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व संसदीय सचिव एवं विकास उपाध्याय के नेतृत्व में बुधवार को महिला आरक्षण बिल को लेकर डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक कलेक्टोरेट परिसर के सामने महिला विरोधी भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा, महिला आरक्षण बिल का नाम देकर देश में गलत तरीके से परिसीमन को दूसरे दरवाजे से लागू कराने के लिये इसे सदन में लाने का काम किया गया था, जिसे कांग्रेस पार्टी सहित सभी विपक्षी दलों ने एकजुट होकर धराशायी कर दिया।

छत्तीसगढ़ के पूर्व एवं वर्तमान भारतीय जनता पार्टी के सांसदों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया कि वर्ष 2023, 20 सितम्बर को जब लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पारित हुआ था, उस समय आप सांसद थे और सदन का हिस्सा थे। आपकी पार्टी द्वारा झूठ फैलाया जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी सहित विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण बिल का विरोध किया है, जबकि 20 सितम्बर को लोकसभा में जब महिला आरक्षण बिल को लाया गया था, तब सर्वसम्मति से पक्ष और विपक्ष ने एकसाथ मिलकर इसे समर्थन देते हुए इस विधेयक को पारित किया था।

छत्तीसगढ़ की जनता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन सहित भारतीय जनता पार्टी के अपने समस्त नेताओं को रामचरित मानस और संविधान की कसम खाते हुये इस विषय से अवगत कराएं और पत्र और विडियो के माध्यम से जनता को सच्चाई बताने का कष्ट करें कि महिला आरक्षण बिल को 2023 में सभी दलों की सर्वसम्मति से पारित किया जा चुका है। इसके लिए सभी भाजपा सांसदों को वर्तमान की 543 सीट पर 33 प्रतिशत महिला आरक्षण बिल पारित करने के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखने की मांग की है।

साय ने कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर कहा- प्रधानमंत्री के प्रति अपमानजनक टिप्पणी लोकतंत्र पर आघात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए प्रयुक्त अपमानजनक शब्दों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा, खड़गे द्वारा की गई टिप्पणी न केवल स्तरहीन, अपमानजनक, अमर्यादित और अशिष्ट है, बल्कि यह देश के उन करोड़ों नागरिकों का भी सीधा अपमान है, जो प्रधानमंत्री को अपना आदर्श मानते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस प्रकार की अमर्यादित भाषा का प्रयोग निंदनीय है और यह स्वस्थ राजनीतिक संवाद की मर्यादाओं को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने इसे लोकतंत्र की गरिमा पर गहरा आघात बताते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में इस तरह के बयान लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत हैं और इनकी जितनी भर्त्सना की जाए, वह कम है। कांग्रेस पार्टी की यह बौखलाहट उसके राजनीतिक पतन का स्पष्ट संकेत है।

■ कांग्रेस पार्टी की यह बौखलाहट उसके राजनीतिक पतन का स्पष्ट संकेत- मुख्यमंत्री

बिना शर्त देश की जनता से मांगें माफी

उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस पार्टी से मांग की है कि वे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा देश की जनता से बिना शर्त सार्वजनिक रूप से माफी मांगें, जहां मुद्दों की जगह व्यक्तिगत आक्षेप और अमर्यादित भाषा ने ले ली है। लोकतंत्र में ऐसी मानसिकता न केवल अस्वीकार्य है, बल्कि जनभावनाओं का अपमान भी है, कांग्रेस को तुरंत आत्ममंथन करते हुए बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।

खबर संक्षेप

मंडी बोर्ड उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 26 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के अंतर्गत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा (एमबीएसआई26) 26 अप्रैल को होगी। परीक्षा के लिए जिले के 104 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें 34168 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित होगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश 9:30 बजे तक ही दिया जाएगा। इसके बाद प्रवेश पूर्णतः बंद कर दिया जाएगा। इस संबंध में व्यापमं ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

निधन

दिलीप तिवारी

रायपुर। शहीद भगत सिंह चौक टिकरापारा निवासी दिलीप तिवारी (78) का 22 अप्रैल को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 23 अप्रैल को मारवाड़ी श्मशान घाट में किया जाएगा। वे रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी, मुकेश तिवारी, रितेश तिवारी के पिता थे। उनके निधन पर प्रेस क्लब सदस्यों ने परिजनों को संबल प्रदान कर मृतात्मा को शांति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

उमाशंकर व्यास

रायपुर। लखेर ओली नयापारा निवासी राष्ट्रीय विद्यालय के प्राचार्य उमाशंकर व्यास (58) का 22 अप्रैल को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 23 अप्रैल को सुबह 10 बजे उनके निवास से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे गौरीशंकर व्यास के बड़े पुत्र और विजयशंकर व्यास के भाई एवं रविशंकर रामदेव व्यास के पिता थे।

डा. कदीरमन मूर्ति

रायपुर। रायपुर निवासी डॉ. कदीरमन मूर्ति का 22 अप्रैल को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार न्यू राजेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल में हेड क्वालिटी एवं क्लीनिकल ऑपरेशन में कार्यरत थे।

जुर्माना से भी नहीं ली सीख, दस्तावेज जमा नहीं करने वाले ब्लड सैंपल कलेक्शन सेंटर में लगेगा ताला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्वास्थ्य विभाग की अनुमति के बिना ब्लड सैंपल कलेक्शन और पैथोलॉजी लैब का संचालन करने वाले दर्जनभर संस्थानों ने जुर्माने के बाद भी सीख नहीं ली है। ऐसे संस्थानों को दस्तावेज जमा कर अनुमति लेने के लिए अंतिम मोहलत दी गई है। निर्धारित अवधि में यह प्रक्रिया पूरी करने वाले कलेक्शन सेंटरों में ताला लगाया जाएगा। रायपुर जिले की टीम ने 38 लैब को नियम विरुद्ध संचालन के लिए 20-20 हजार का नोटिस थमाया था।

स्वास्थ्य विभाग के अफसरों के पास इस तरह की शिकायत काफी दिनों से आ रही थी कि कलेक्शन सेंटर बड़े पैथोलॉजी लैब के नाम की आड़ में खुद ब्लड और अन्य सैंपलों की जांच कर लोगों को रिपोर्ट दे रहे हैं। इस शिकायत के आधार पर जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने टीम बनाकर कई लैब की जांच करवाकर उन पर 20-20 हजार रुपए का जुर्माना किया था। इस दौरान कलेक्शन सेंटरों और पैथोलॉजी लैब को नियमानुसार संस्थान के संचालन करने की अनुज्ञा प्राप्त करने का मौका दिया था। कार्रवाई के पंद्रह दिन बीतने के बाद दो दर्जन से ज्यादा संस्थानों ने संबंधित दस्तावेज जमा कर नियमानुसार कलेक्शन सेंटर अथवा पैथोलॉजी लैब चलाने की अनुमति मांगी है। वहीं करीब 13 सेंटरों ने 20 हजार के तगड़े जुर्माने के बाद भी सीख नहीं ली है, ऐसे संस्थानों को करीब सप्ताहभर का मौका और दिया गया है। संस्थानों को यह भी चेताया गया है कि उनके द्वारा अनुमति लेने की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई तो संस्थानों को बंद करा दिया जाएगा।

दर्जनभर संस्थानों को दी गई प्रक्रिया पूरी करने अंतिम मोहलत

ग्रामीण इलाकों में चल रहे

सूत्रों के अनुसार ऐसे पैथोलॉजी लैब अथवा कलेक्शन सेंटर ग्रामीण इलाके में भी काफी संख्या में चल रहे हैं। इन संस्थानों को भी सूचीबद्ध किया जा रहा है। माना जा रहा है ग्रामीण ऐसे संस्थानों में जाकर अपनी जांच कराकर कई बार जोखिम भी मोल लेते हैं। पैथोलॉजी अथवा अन्य तरह की डायग्नोस्टिक टेस्ट और रिपोर्ट बनाने के लिए विशेषज्ञ डाक्टरों की आवश्यकता होती है। ऐसे कुछ लैब ग्रामीण इलाकों के कुछ प्रायवेट अस्पतालों में भी संचालित हो रहे हैं।

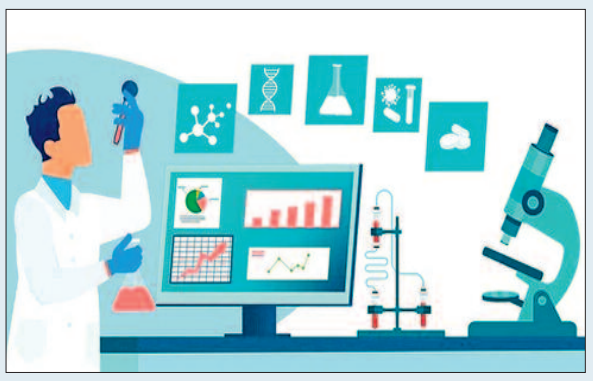

कार्रवाई होगी

सैंपलों के कलेक्शन अथवा जांच करने वाली संस्था को नियमानुसार अनुमति लेना आवश्यक है। ऐसा नहीं करने वाले संस्थानों पर कार्रवाई की जाएगी।

- डा. मिथिलेश चौधरी
सीएमएचओ

राहगीरों की प्यास बुझाने निगम ने ली सुध, जोन 1 से शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर में राहगीरों के लिए न छांव और न प्यास बुझाने ठंडा पानी शीर्षक से हरिभूमि ने जनहित से जुड़ी खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया। इसमें तेज गर्मी के बावजूद नगर निगम द्वारा शहर में एक भी प्याऊ घर नहीं खोले जाने से आम जनता को रही परेशानियों से निगम प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया। खबर का असर दूसरे ही दिन देखने को मिला। महापौर मीनल चौबे और निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर खमतराई स्थित जोन 1 कमिश्नरी ने इसकी शुरुआत बुधवार को कर दी। इसमें जोन 1 क्षेत्र के खमतराई स्कूल के पास और भनपुरी बाजार में राहगीरों और आम जनता को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने स्काउट एंड गाइड के सहयोग ने दो सार्वजनिक प्याऊघर खोले गए। इसके साथ ही नगर निगम जोन 1 कमिश्नरी ने खमतराई स्थित जोन कार्यालय, खमतराई चावड़ी, भनपुरी के विजय पांडे द्वार के समीप सामाजिक संगठनों के सहयोग से प्याऊ शुरू करने की तैयारी है।

गर्मी के सीजन में अब लोगों को अपनी प्यास बुझाने इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। नगर निगम के अलग-अलग जोन के माध्यम से यह व्यवस्था बनाई जाएगी। इसकी शुरुआत नगर निगम जोन 1 के दो सार्वजनिक प्याऊघर से की गई है। जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर ने बताया कि खमतराई स्कूल के पास वहां के विद्यार्थियों सहित आम जनता को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने स्काउट गाइड के सहयोग से प्याऊ खोला गया है। इसी तरह भनपुरी बाजार में यह सुविधा दी गई है।

इसके अलावा खमतराई पानी टंकी परिसर स्थित जोन 1 कार्यालय, खमतराई चावड़ी में भी प्याऊ घर शुरू होने जा रहा है। टिंबर मार्केट भी वहां के व्यापारियों के सहयोग से नगर निगम लोगों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने प्याऊ शुरू कराने जा रहा है।

सात जगहों पर प्याऊ घर

शहर में नगर निगम ने 15 जगहों पर लगाई है वाटर एटीएम मशीन

शहर में राहगीरों के लिए न छांव और न प्यास बुझाने ठंडा पानी, वाटर एटीएम बंद

खबर का असर

भीषण गर्मी के कारण 50 प्लस ट्रैफिक जवानों को ड्यूटी से राहत

60 ट्रैफिक पाइंट में से 25 में दोपहर 12 से शाम पांच बजे तक जवानों की तैनाती नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी का तापमान इन दिनों 43 से 44 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। ऐसे में पूरे समय फील्ड में काम करने वाले ट्रैफिक पुलिस के जवानों को लू से बचाने ट्रैफिक डीसीपी विकास कुमार के निर्देश पर छाते का वितरण किया गया है। इसके अलावा 50 प्लस के ट्रैफिक जवानों को ड्यूटी में राहत देते हुए उनकी दोपहर की तैनाती ऐसी जगह की जा रही है, जहां उन्हें लू लगने का खतरा कम हो।

अफसर ने ट्रैफिक जवानों को लू तथा डिहाईड्रेशन से बचाव करने अपने साथ प्याज रखने के साथ अनिवार्य रूप से पानी की बोतल रखने की सलाह दी है। साथ ही जहां जवानों की तैनाती रहती है, उस स्थान पर जवानों को ट्रैफिक सामान्य रहने पर किसी दुकान के शेड के नीचे रहकर ट्रैफिक की निगरानी करने कहा है। साथ ही ड्यूटी करने के दौरान धूप में अपने साथ अनिवार्य रूप से छाता का उपयोग करने कहा है।

जहां ट्रैफिक दबाव कम, वहां राहत

राजधानी के 60 अलग-अलग पाइंट पर ट्रैफिक जवानों की ड्यूटी लगाई जाती है। जिन 60 स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस के जवानों की ड्यूटी लगाई जाती है, उनमें से 25 पाइंट में दोपहर 12 से शाम पांच बजे तक ट्रैफिक का दबाव कम रहता है, ऐसी जगहों को चिन्हांकित कर उन स्थानों पर दोपहर 12 से शाम पांच बजे तक ट्रैफिक जवानों की ड्यूटी नहीं लगाई जा रही है। आईटीएमएस की निगरानी कर ऐसे स्थानों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ने पर वहां जवानों की तैनाती की जा रही है।

शाम पांच के बाद सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव

रोजमर्रा के समान की खरीदी करने वाले सुबह नौ बजे तक खरीदी कर ले रहे हैं या फिर गर्मी में राहत मिलने पर शाम पांच बजे के बाद खरीदी करने निकल रहे हैं। इसके चलते शाम पांच बजे के बाद शहर के प्रमुख सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव देखने को मिल रहा है। शाम पांच बजे के बाद वीआईपी रोड के साथ राजेंद्र नगर, मालवीय रोड, एमजी रोड, आमापारा बाजार, लाखे नगर सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त ट्रैफिक जवानों की तैनाती करनी पड़ रही है।

50 प्लास जवानों की ड्यूटी वीआईपी बंगलों में

ट्रैफिक पुलिस के ऐसे जवान जिनकी उम्र 50 साल से ज्यादा है, ऐसे जवानों की ड्यूटी मंत्री के साथ अन्य बंगलों में लगाई जा रही है। राजधानी में सुबह 11 बजे के बाद ट्रैफिक का दबाव सामान्य दिनों की अपेक्षा 40 प्रतिशत तक कम है। सुबह 11 बजे के बाद केवल कामकाजी लोग आवाजाही कर रहे हैं। इसके साथ ही 11 बजे के बाद सड़कों पर ऑटो का दबाव 50 प्रतिशत के करीब है।

रायपुर दक्षिण के 2 वार्डों में सवा करोड़ के कार्यों की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी के दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के 2 वार्डों में सवा करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन क्षेत्र के विधायक सुनील सोनी, महापौर मीनल चौबे और सभापति सूर्यकांत राठौर ने बुधवार को संयुक्त रूप से किया। इसमें जोन 4 के स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड में 35 लाख की लागत से सीसी रोड निर्माण, नाली और पुलिया निर्माण का कार्य कराया जाएगा। वहीं जोन 6 के अंतर्गत शहीद राजीव पांडे वार्ड के संजय नगर टिकरापारा में करीबन 90 लाख रुपए की लागत से अधोसंरचना मद में विकास कार्यों की शुरुआत की गई।

- विधायक सुनील सोनी, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर के हाथों भूमिपूजन

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने दक्षिण क्षेत्र में विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस मौके पर उन्होंने निगम के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा एक बार सड़क बनने के बाद फिर से निर्माण का प्रस्ताव आता है, तो संबंधित जोन कमिश्नर और अभियंता सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे। निर्माण कार्य समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। कार्यक्रम में शामिल महापौर मीनल चौबे ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में पानी की हर बूंद बचाना जरूरी है।

नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर ने अपने उदबोधन में कहा नए विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में नागरिकों की भूमिका महत्वपूर्ण है, इसलिए कार्यों का निरीक्षण स्वयं करें और किसी भी प्रकार की कमी दिखाई देने पर जानकारी तुरंत दें।

इस मौके पर नगर निगम जोन 4 अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद मुरली शर्मा, जोन 6 अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, ब्राम्हणपारा वार्ड पार्षद अजय साहू, पार्षद अंजलि गोलछा, प्रमोद कुमार साहू, रमेश सपहा, रवि सोनगर, नगर निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष सुभाष तिवारी, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता वर्धमान सुराना, कृष्ण कुमार अवधिया, भाजपा प्रदेश मंत्री अमित साहू आदि उपस्थित रहे।

बिजनेस साइट

कोलंबिया प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में 'रिफॉर्म यूथ कॉन्क्लेव' का सफल आयोजन

रायपुर। लोक उदय फाउंडेशन द्वारा कोलंबिया प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में 'रिफॉर्म यूथ कॉन्क्लेव' (मॉडल यूनाइटेड नेशंस) का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को वाद-विवाद के माध्यम से सशक्त बनाना, सामाजिक मुद्दों से जोड़ना और समाज सेवा के प्रति प्रेरित करना था। कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से 320 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के छात्र प्रमुख रहे। आयोजन ने युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक बदलाव की भावना को प्रोत्साहित किया। कुलाधिपति किशोर जादवानी ने ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने पर जोर दिया। वहीं उप-कुलाधिपति हरजीत सिंह हुरा ने इसे आलोचनात्मक सोच और वैश्विक समझ के लिए महत्वपूर्ण बताया। कुलपति डॉ. रमन कुमार झा और प्रति कुलपति डॉ. सुमित कुमार श्रीवास्तव ने भी आयोजन को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु उपयोगी बताया। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

- 320+ युवाओं ने लिया भाग

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का कार्य न करें

पृथ्वी दिवस पर परिचर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन में परिचर्चा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्रीनिवास राव ने ब्रह्माकुमारी संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि मेडिटेशन से स्वच्छ आचरण, स्वच्छ व्यवहार और स्वच्छ पर्यावरण में मदद मिलती है। हमारी पृथ्वी जीवित लोगों के लिए जीवन्त ग्रह है। हमारे लिए यह एक ही धरती है। जीवित रहने के लिए और कोई दूसरा ग्रह नहीं है। इसलिए हमें अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। जागरूक होकर संसाधनों का सदुपयोग करना होगा। हमें पृथ्वी को बचाना है तो जंगल को बचाना होगा।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यप्राणी संरक्षक अरूण कुमार पाण्डे ने कहा कि पर्यावरण को जो नुकसान हो चुका है उसे तो हम नहीं बदल सकते हैं लेकिन अब हमें अपनी जिम्मेदारी उठानी होगी। कभी भी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का कार्य न करें। कार्यक्रम को ब्रम्हकुमारी सविता दीदी, रश्मि दीदी, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील कुमार मिश्रा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक शालिनी रैना ने संबोधित किया।

पेज 09 के शेष ...

भीषण गर्मी में सफारी में बदला ...

मात्रा में उपलब्धता का विभागीय अफसरों ने दावा किया है। गर्मी को ध्यान में रखते हुए वन्यजीवों के डाइट प्लान में भी बदलाव किया गया है। गर्मी के साथ ही गर्म हवा ने इंसानों के साथ जानवरों का भी हाल बेहाल कर दिया, लोग गर्मी से बचने के लिए तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं। वहीं, रायपुर के जंगल सफारी में जानवरों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, जंगल सफारी की ओर से वन्य जीवों के बंद बाड़े में कूलर लगाए गए हैं। जंगल सफारी डायरेक्टर थेजस शेखर के अनुसार वन्यजीवों को गर्मी में डिहाईड्रेशन से बचाने चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। अफसर के अनुसार वन्यजीवों का नियमित बॉडी टेंप्रेचर नापा जा रहा है।

2 जगह पानी का अवैध ..

श्रीवास्तव द्वारा अपने निजी बोर से पानी निकाल कर बोतलबंद पानी की इकाई का संचालन कर गाड़ियों में रोज हजारों लीटर पानी बेचा जा रहा है। छत पर 20 हजार लीटर और जमीन के नीचे टैंकनुमा बड़ी टंकी बनायी गयी है। इसको नलकूप के माध्यम से नगर निगम के कनेक्शन मोटर लगाकर चलाया जा रहा है। स्थानीय रहवासी बुधवार को नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी के पास शिकायत लेकर पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष ने निगम के अधिकारियों को वस्तुस्थिति देखकर सीलबंदी की जरूरत बताई।

एनआरसी की निलंबित ...

काउंसिल से आनन-फानन ओके रिपोर्ट के साथ भेजी गई फाइलों पर संदेह होने पर संचालनालय स्तर पर इसकी जांच कराई गई, तो अनियमितता का मामला सामने आया था। मामले में रजिस्ट्रार दुर्गा कुंजाम (उसारे) की संलिप्तता पाने पर उसे निलंबित कर दिया गया था।

मामले में आर्थिक अनियमितता, पद का दुरुपयोग और निजी लाभ के लिए साजिश रचने जैसे तथ्य मिलने पर गोलबाजार थाने में डिप्टी डायरेक्टर नर्सिंग संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. निधि ग्वालरे की रिपोर्ट पर बीएनएस की धारा 318 के तहत अपराध दर्ज किया गया। मामले में निलंबित रजिस्ट्रार एवं शासकीय जीएनएनएम कालेज कांकेर की सह प्राचार्य दुर्गा कुंजाम के साथ वहां की सह प्राचार्य सुरीला जैन, काजोल साहू, प्राचार्य, मायाराम स्कूल ऑफ नर्सिंग अंबागढ़ चौकी, वसंता कुमार एन. प्राचार्य सूर्या कॉलेज ऑफ नर्सिंग जांजगीर चांपा, मंजू एमएल उप प्राचार्य, सूर्या कॉलेज ऑफ नर्सिंग जांजगीर चांपा, मैथ्यू फर्नांडीज द्वितीय श्रेणी अनियमित कर्मचारी नर्सेस रजिस्ट्रेशन कांउसिल, रायपुर तथा नरेन्द्र देवांगन, तृतीय श्रेणी अनियमित कर्मचारी के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है।

जनगणना और सुशासन ...

निर्देश दिए गए हैं। आकस्मिक अवकाश की स्थिति में भी कर्मचारी को फोन या डिजिटल माध्यम से पहले सूचना देना अनिवार्य होगा। बाद में कार्यालय पहुंचने पर इसकी लिखित पुष्टि करनी होगी। वहीं मेडिकल अवकाश के लिए डॉक्टरी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर-18, कांदुल तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

जारी दिनांक- 09.04.2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम-डोमा प.ह.न.- 84 रा.नि.मं - रायपुर-18 तहसील व जिला-रायपुर छ.ग. में **आवेदिका कनकलता पति जयंत कुमार गुजराती निवासी-सी-96, देवेन्द्र नगर रायपुर (छ.ग.) द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 45/24 सामिल खसरा नंबर 45/27, 45/59, 45/62, 45/63 रकबा 2.1330 हे.** का नक्शा बंटाकन हेतु आवेदन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र./ क / वाचक / तहसीलदार / 2025 रायपुर दिनांक 17.11.2026 के परिपालन में आवेदक की भूमि का नक्शा सुधार हेतु स्थल निरीक्षण दिनांक **27.04.2026** को किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आस-पास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय के पूर्व पटवारी कार्यालय में एवं उक्त तिथि व समय को आवेदित स्थल पर उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी दावा/आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन कार्य किया जा सकता हैं। सीमांकन उपरांत कोई भी दावा / आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सो सूचना जाने।

राजस्व निरीक्षक, रायपुर-18 कांदुल

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सुनील कुमार प्यारे लाल अग्रवाल, पिता प्यारे लाल अग्रवाल, निवासी मकान नं. 11, लास विस्टास, ऑफ वीआईपी रोड, अमलीडीह, जिला रायपुर, पिन-492006 (छ.ग.) यह शपथ करता हूँ कि मैंने अपना पुराना नाम को त्याग कर नया नाम सुनील कुमार अग्रवाल रख लिया है।

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम सुनील कुमार अग्रवाल से ही जाना पहचाना जावे।

सुनील कुमार अग्रवाल
मकान नं. 11, लास विस्टास
ऑफ वीआईपी रोड, अमलीडीह
जिला रायपुर, पिन-492006 (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रचना सुनील कुमार अग्रवाल, पति सुनील कुमार अग्रवाल, निवासी मकान नं. 11, लास विस्टास, ऑफ वीआईपी रोड, अमलीडीह, जिला रायपुर, पिन-492006 (छ.ग.) यह शपथ करती हूँ कि मैंने अपना पुराना नाम को त्याग कर नया नाम रचना अग्रवाल रख लिया है।

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम रचना अग्रवाल से ही जाना पहचाना जावे।

रचना अग्रवाल
मकान नं. 11, लास विस्टास
ऑफ वीआईपी रोड, अमलीडीह
जिला रायपुर, पिन-492006 (छ.ग.)

मैगनीज में मिलावट आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। उरला थाने की पुलिस ने परिवहन के दौरान फेरो मैगनीज में मिलावट करने के आरोप में एक व्यक्ति को राजस्थान से गिरफ्तार किया है। एक अन्य आरोपी की पुलिस तलाश करने की बात कह रही है। उत्तरप्रदेश, गाजियाबाद स्थित फ्लक्समिन मेटल प्रा. लिमिटेड के मार्केटिंग मैनेजर कुणाल जिंदल की शिकायत पर पुलिस ने अलवर निवासी शौकीन खान को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि शौकीन ने माल परिवहन करने के दौरान हरियाणा के एक कबाड़ी को मैगनीज बेच कर पार्टी को फेरो मैगनीज में मिट्टी, रेत देकर 48 लाख रुपए का नुकसान पहुंचाया।

अपने निर्धारित समय पर आएंगी ट्रेनें

रायपुर। बिलासपुर मंडल अंतर्गत जांजगीर नैला स्टेशन पर चौथी लाइन कनेक्टिविटी के लिए दिए जा रहे नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पूर्व में कैंसिल एवं आंशिक रूप से निरस्त की गई कई यात्री ट्रेनों को रीस्टोर किया गया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक रायपुर से संचालित होने वाली रायपुर-गेवरारोड-रायपुर, रायपुर-कोरबा-रायपुर पैसेंजर ट्रेन 22 से 26 अप्रैल के बीच अपने निर्धारित समय पर संचालित होगी। इन ट्रेनों को पूर्व में इस अवधि के दौरान निरस्त कर दिया गया था। इसके अलावा बिलासपुर से छूटने वाली की अन्य ट्रेन भी उस अवधि में वापस ट्रेक पर आ चुकी है।

खबर संक्षेप

आज से फिर चढ़ेगा पारा, मध्य भाग में ग्रीष्म लहर की चेतावनी

रायपुर। बीते 48 घंटों के दौरान तापमान में आई हल्की कमी के बाद अब गर्मी फिर अपने तेवर दिखाएगा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे में तापमान में 2 से 3 डिग्री की वृद्धि होगी। इसके बाद अगले तीन दिनों तक कोई बदलाव नहीं होगा। मध्य छत्तीसगढ़ के एक-दो स्थानों में 24 अप्रैल से अगले 3 दिनों तक ग्रीष्म लहर जैसी स्थिति निर्मित होने की आशंका जताई गई है। इसके लिए चेतावनी भी मौसम विभाग ने जारी की है। बुधवार को प्रदेश में सर्वाधिक गर्म दुर्ग रहा। यहां तापमान 43.2 डिग्री दर्ज किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री अंबिकापुर मे रिकॉर्ड हुआ। रायपुर का अधिकतम तापमान सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक 42.5 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.2 डिग्री अधिक 28.7 डिग्री दर्ज किया गया।

पहलगाम हमले की प्रथम बरसी पर भारतीयों को दी श्रद्धांजलि

रायपुर। श्री साईं दर्शन आवासीय समिति साईं नगर जोरा द्वारा समिति भवन के मुख्य मंच में बुधवार को पहलगाम हमले की पहले बरसी पर शोकसभा आयोजित की गई। इस शोकसभा में समिति के सभी कार्यकर्ताओं ने सभी जान गंवाने वाले भारतीयों को श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही उनके परिजनों के लिए भी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए उनके स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए प्रार्थना की गई। यह हमला 22 अप्रैल 2025 को हुआ था, जिसमें 26 निर्दोष लोगों (25 पर्यटक और एक स्थानीय टट्टू चालक) की जान चली गई थी। श्रद्धांजलि देने वालों में एचडी बिंद, छगनलाल साहू, सुरेश सोनी, डॉ देवेंद्र कुमार सूर्यवंशी, डॉ देवेंद्र कुमार, छोटेलाल ठाकुर, डॉ माधव प्रसाद पांडे, मिथिलेश श्रीवास्तव, चंद्रशेखर चतुर्वेदी, देवनारायण चंद्राकर, तिवारी पुजारी और बड़ी संख्या में महिलाएं भी उपस्थित रही।

अग्नि सुरक्षा और रोकथाम पर कार्यशाला आज

रायपुर। कैट एवं अग्निशमन विभाग द्वारा 23 अप्रैल को पंडरी के पगारिया कांप्लेक्स के प्रथम तल स्थित कैट के प्रदेश कार्यालय में अग्नि सुरक्षा और रोकथाम पर कार्यशाला शाम को 4.15 मिनट पर आयोजित है। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में अग्निशमन विभाग के निर्देशक एवं आपातकालीन सेवाएं तथा एसडीआर एफ चंद्रमोहन सिंह, विशिष्ट अतिथि कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी शामिल होंगे।

भीषण गर्मी और निस्तारी के लिए छोड़ा पानी, एक माह में बांधों का जल स्तर 10 % तक घटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के साथ ही पानी की मांग विभिन्न क्षेत्रों से आने पर कई बांधों से पानी छोड़ा जा रहा है। राज्य के 18 बांधों से नहर के माध्यम से पानी दिया जा रहा है। निस्तारी और सिंचाई के लिए इन बांधों से पानी दिया जा रहा है। किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं से नियंत्रित एवं चरणबद्ध रूप से जल छोड़ा जा रहा है। 21 मार्च को बांधों में 73.59 प्रतिशत जल भराव था, जो 21 अप्रैल को घटकर 63.18 प्रतिशत हो गया है।

गंगरेल बांध से नहरों के माध्यम से धमतरी एवं रायपुर क्षेत्रों में निस्तारी एवं सिंचाई जल उपलब्ध कराया जा रहा है। दुधावा जलाशय से मुख्य नहरों के जरिए पानी दिया जा रहा है। सोंढूर परियोजना से नहर प्रणाली के माध्यम से जल छोड़ा जा रहा है। कोडार जलाशय से लगभग 6.84 क्यूमेक्स जल नहरों के माध्यम से छोड़ा जा रहा है। परालकोट परियोजना से दाएं एवं बाएं तट नहरों के जरिए पानी वितरण किया जा रहा है। खरखरा, गोंडली, पिपरिया, सारोदा, जुमका, केदार नाला एवं अन्य जलाशयों से आवश्यकता अनुसार नहरों एवं स्लुइस गेट के माध्यम से जल छोड़ा जा रहा है, जिससे रबी फसलों की अंतिम सिंचाई एवं ग्रीष्मकालीन फसलों एवं निस्तारी के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराया जा सके।

18 से अधिक बांधों से गर्मी के कारण दिया जा रहा पानी

छीरपानी 87 और खपरी में 92 प्रतिशत से अधिक जल भराव

इसी प्रकार राज्य की 34 मध्यम सिंचाई परियोजनाओं में वर्तमान में 63.18 प्रतिशत जल भराव है, जो कि वर्ष 2025 के 34.62 प्रतिशत एवं वर्ष 2024 के 40.38 प्रतिशत से अधिक है। मध्यम जलाशयों में छिरपानी जलाशय में 87 प्रतिशत, खपरी में 92.91 प्रतिशत, पिपरिया नाला में 88 प्रतिशत, गोंडली में 77.53 प्रतिशत, सुतियापाट में 78.65 प्रतिशत, सारोदा में 73.57 प्रतिशत एवं कोसारटेडा में 76.42 प्रतिशत जल भराव अपने उच्च स्तर पर हैं।

फाइल फोटो

बांधों में 67 प्रतिशत से अधिक पानी

छत्तीसगढ़ राज्य के 12 वृहद एवं 34 मध्यम सिंचाई परियोजनाओं में इस वर्ष जल भराव की स्थिति काफी बेहतर है। वर्तमान में राज्य के कुल 46 प्रमुख सिंचाई जलाशयों में औसत रूप से 63.18 प्रतिशत जल भराव है, जो कि वर्ष 2025 में इसी अवधि में औसत रूप से 34.40 प्रतिशत तथा वर्ष 2024 के 40 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। यह स्थिति बेहतर वर्षा, सुनियोजित जल प्रबंधन तथा जलाशयों के प्रभावी संचालन का परिणाम है।

मनियारी में 87, कोडार में 29 प्रतिशत जल भराव

राज्य के 12 वृहद सिंचाई परियोजनाओं में वर्तमान में 56 प्रतिशत जल भराव है, जबकि वर्ष 2025 में यह 26.84 प्रतिशत तथा वर्ष 2024 में 46 प्रतिशत था। प्रमुख वृहद जलाशयों में शामिल मनियारी जलाशय में 87.41 प्रतिशत, मुरूमसिल्ली में 85 प्रतिशत, खारंग में 83 प्रतिशत, दुधावा में 82.71 प्रतिशत, रविशंकर सागर में 69.72 प्रतिशत, सोंढूर में 54 प्रतिशत एवं तांदुला में 53.36 प्रतिशत में जल उपलब्ध है। वहीं मिनीमाता बांगो जलाशय में 61.75 प्रतिशत जल भराव है।

लौटाए जा रहे हितग्राही

50 प्रतिशत दुकानें खाली, जहां वितरण हो रहा उनमें वन नेशन वन कार्ड योजना का पालन नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तीन माह का एक साथ चावल वितरण अब हितग्राहियों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। इसके तहत जिले की 50 से 70 प्रतिशत राशन दुकानों में तीन माह के अनुसार चावल का भंडारण ही नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण हितग्राहियों को उन दुकानों से खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

इधर केंद्र सरकार की वन नेशन वन कार्ड योजना के नियम के तहत कोई भी हितग्राही किसी भी राशन दुकान में जाकर खाद्यान्न ले सकता है, लेकिन स्टॉक की कमी के कारण कई दुकानदार सिर्फ अपनी दुकानों में पंजीकृत राशन कार्ड धारकों को ही खाद्यान्न वितरण कर रहे हैं, वहीं अन्य दुकानों के पंजीकृत हितग्राहियों को यह कहकर लौटा रहे हैं कि पहले वे अपने स्थाई हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण करेंगे, इसके बाद खाद्यान्न बच जाता है, तभी बाहरी हितग्राहियों को खाद्यान्न दिया जाएगा। इस तरह केंद्र के नियम का भी पालन नहीं किया जा रहा।

हरिभूमि सरोकार

खाद्य विभाग में लगातार आ रही शिकायतें

वन नेशन वन कार्ड योजना के तहत हितग्राहियों को राशन दुकानों से वापस लौटाने की लगातार शिकायतें खाद्य विभाग में आ रही हैं। पंजीकृत नहीं होने के कारण दुकानदारों द्वारा हितग्राहियों को खाली हाथ लौटाया जा रहा है। हालांकि इसके अलावा भी कई पंजीकृत हितग्राहियों को भी दुकानों से खाली हाथ लौटना पड़ रहा है, क्योंकि दुकानों में तीन माह का स्टॉक ही नहीं है।

जानकारी लेकर सुनिश्चित किया जाएगा

सभी राशन दुकानों में पर्याप्त मात्रा में स्टॉक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अगर राशन दुकानों में खाद्यान्न नहीं पहुंचा है, तो इस संबंध में जानकारी लेकर सुनिश्चित कराया जाएगा।

- **कीर्तिमान सिंह राठौर**, अपर कलेक्टर

वन नेशन वन कार्ड के तहत खाद्यान्न वितरण नहीं करने का विडियो वायरल

राजधानी रायपुर में वन नेशन वन कार्ड योजना नियम के तहत कई राशन दुकानों में हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण नहीं किए जाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला सोशल मीडिया में भी वायरल हुआ है। यह विडियो स्वामी आत्मानंद वार्ड समता कालोनी स्थित राशन दुकान आईडी 441001037 का है। इस दुकान में खाद्यान्न लेने पहुंचा एक हितग्राही लगातार दुकान में वितरण करने बैठे व्यक्ति से बार-बार खाद्यान्न पाने के लिए उसका राशन कार्ड जमा करने की गुहार लगा रहा है, वहीं दुकानदार यह कहकर उसका कार्ड जमा करने से साफ इनकार कर रहा है कि दुकान में स्टॉक कम है तथा पहले वह अपनी दुकान के स्थाई हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण करेगा। इसके बाद ही वह अस्थाई यानी दूसरी राशन दुकान में पंजीकृत हितग्राहियों को राशन देगा। इस विडियो में दुकानदार यह भी कह रहा है कि गोदाम से चावल ले देकर आया है। अगर वह स्थाई हितग्राहियों को नहीं देगा, तो वे लोग विवाद करेंगे। हालांकि इस दुकान में एक और व्यक्ति भी खाद्यान्न लेने पहुंचा था, जिसे दुकानदार ने खाली हाथ ही लौटा दिया।

हरिभूमि की पड़ताल में इन दुकानों में नहीं मिला स्टॉक

- केस:1 : आईडी क्रमांक 441001026 में चावल खत्म हो चुका है, जिसके कारण वितरण भी बंद था। दुकानदार द्वारा चावल भेजने के लिए लगातार नागरिक आपूर्ति निगम गोदाम प्रभारी मांग की जा रही है।
- केस:2: दुकान आईडी 441001024 में बीपीएल चावल लगभग खत्म हो गया है। तत्काल भंडारण कराने के लिए दुकानदार ने मांग की है।
- केस:3 : दुकान आईडी 441001037 के दुकानदार ने खाद्य विभाग की इंस्पेक्टर एवं गोदाम प्रभारी को मैसेज किया है कि उसके दुकान में एपीएल, बीपीएल चावल के अलावा शक्कर एवं नमक खत्म हो गया है। जल्द से जल्द भंडारण कराया जाए।
- केस:4 : दुकान आईडी 441001038 के दुकानदार ने भी विभाग और गोदाम प्रभारी को जानकारी दी है कि उसकी दुकान में एपीएल और बीपीएल चावल खत्म हो चुका है। इसके कारण वितरण का काम रुका हुआ है।

मेडिकल कालेजों के 13 विभागों को मिलेंगे 62 सहायक प्राध्यापक दस्तावेजों की जांच 28 से

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के शासकीय मेडिकल कालेजों में संचालित 13 विभागों को शीघ्र ही 62 असिस्टेंट प्रोफेसर मिलेंगे। सीजीपीएससी के माध्यम से पूरी की जा रही भर्ती प्रक्रिया में इन विभागों के लिए चयनित डाक्टरों के दस्तावेजों की जांच 28 एवं 30 अप्रैल को की जाएगी। शासकीय मेडिकल कालेज में स्क्रूटनी के बाद जारी होने वाली अंतिम सूची के बाद काफी हद तक डाक्टरों की समस्या हल हो जाएगी।

राज्य के शासकीय मेडिकल कालेजों में सहायक प्राध्यापक के 673 पद हैं, जिसमें से 361 पद रिक्त हैं, जो आंकड़ा अपने आप में काफी बड़ा है। इसका असर चिकित्सा शिक्षा के साथ संबंधित अस्पतालों की उपचार व्यवस्था पर पड़ रहा है। सरकार इन कमियों को दूर करने के लिए छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती करवा रही है। इसके तहत चिकित्सा महाविद्यालयों में संचालित 13 विभागों की कमियां काफी हद तक दूर कर ली जाएंगी। साक्षात्कार प्रक्रिया के बाद चयनित अभ्यर्थियों की चयन सूची के साथ अपने तमाम दस्तावेज लेकर शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर आना होगा, जहां चिकित्सा शिक्षा संचालनालय की टीम उनका परीक्षण करेगी। तय शेड्यूल के मुताबिक अस्थि रोग, रेडियोथेरेपी निश्चेतना, एनेस्थिसिया, फार्माकोलॉजी, त्वचा रोग एवं शिशु रोग विभाग के सहायक प्राध्यापकों के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच 28 तथा मेडिसिन, स्त्री एवं प्रसूति रोग, नेत्र रोग, ईएनटी, कम्यूनिटी मेडिसिन एवं फॉरेंसिक मेडिसिन तथा सर्जरी विभाग के चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच 30 अप्रैल को की जाएगी।

- सीजीपीएससी के माध्यम से हो रही रिक्त पदों पर डाक्टरों की भर्ती

लंबे समय बाद सीधी भर्ती

सहायक प्राध्यापकों की सीधी भर्ती की प्रक्रिया दो साल बाद पूरी की जा रही है। वर्ष 2024-2025 में इस पर ब्रेक लगा था, वहीं 2023 में केवल 5 लोगों की भर्ती की गई थी। इस भर्ती के बाद विभाग में लंबे समय से एक ही पदों पर काम करने वाले चिकित्सा शिक्षकों को प्रमोशन के रास्ते खुलेंगे। साथ ही मेडिकल कालेजों में फैकल्टी की व्यवस्था होने के बाद सीटें लेप्स होने का जोखिम कम हो जाएगा।

बृजमोहन ने की शहर की यातायात व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर शहर की यातायात व्यवस्था और विभिन्न विकास परियोजनाओं की समीक्षा हेतु एक उच्च स्तरीय बैठक ली। बैठक में सरोना-टाटीबंध से जोरा तक रिंग रोड के सर्विस रोड, शारदा चौक से तात्यापारा चौक तक सड़क चौड़ीकरण, जोरा-कचना -पिरदा रोड, जोरा-कचना- मोवा रोड, शदाणी दरबार देवपुरी सहित 5 ग्रेट सेपरेटर, शंकर नगर में रोड चौड़ीकरण, शंकर नगर चौक से टर्निंग पॉइंट सड़क चौड़ीकरण सहित रायपुर शहर के विभिन्न यातायात समस्याओं सहित विकास कार्यों की समीक्षा की।

श्री अग्रवाल ने टाटीबंध-सरोना से जोरा तक रिंग रोड की सर्विस लाइन के चौड़ीकरण का कार्य एक माह के भीतर अनिवार्य रूप से शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने एनएचएआई को एक सप्ताह के भीतर टेंडर प्रक्रिया पूर्ण करने तथा सीएसईबी को चार चरणों में बिजली खंभों और ट्रांसफार्मर की शिफ्टिंग तत्काल शुरू करने को कहा। साथ ही, नगर निगम और यातायात पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सर्विस रोड पर हुए अवैध कब्जों और अनियंत्रित पार्किंग को तत्काल हटाया जाए। बैठक में एनएचएआई प्रोजेक्ट डायरेक्टर दिग्विजय सिंह, नगर निगम कमिश्नर विश्वदीप, डीसीपी यातायात विवेक शुक्ला, सीएसपीडीसीएल, एसई एम विश्वकर्मा, सीई पीडब्ल्यूडी पीएम कश्यप, राजीव नशीने, विशाल त्रिवेदी, शंभू गुप्ता उपस्थित रहे।

शारदा चौक-तात्यापारा मार्ग, मुआवजा और चौड़ीकरण

श्री अग्रवाल ने दशकों पुरानी तात्यापारा सड़क चौड़ीकरण की समस्या पर चर्चा करते हुए सांसद ने बैठक में निगम आयुक्त एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार सड़क चौड़ीकरण के लिए मुआवजा एवं अन्य प्रकरणों को तत्काल एक रिपोर्ट तैयार कर स्वीकृति के लिए शासन को प्रेषित करें।

शिक्षकों का आरोप- नए नियम के कारण नहीं मिल रही पेंशन शासन का जवाब- आपकी सहमति से हुआ था संविलियन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पेंशन नियमों को लेकर शासन और प्रदेश शिक्षक संघ आमने-सामने हो गया है। जिस पेंशन नियमों के आधार पर शिक्षकों को पेंशन प्रदान की जा रही है, उससे शिक्षकों का एक बड़ा वर्ग सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली राशि से वंचित हो रहा है। शिक्षक संघ बीते साल से इस नियम में बदलाव की मांग कर रहा है, लेकिन शासन का कहना है कि शिक्षाकर्मियों ने अपनी मर्जी से संविलियन स्वीकार किया था, ऐसे में नियम पर उनका विरोध उचित नहीं है।

दरअसल, राज्य के प्रचलित पेंशन नियम के अनुसार, पेंशन प्राप्त करने के लिए न्यूनतम 10 वर्ष की नियमित शासकीय सेवा तथा उपदान (ग्रेच्युटी) के लिए न्यूनतम 5 वर्ष की सेवा आवश्यक है। इस नियम के आधार पर संविलित किए जाने वाले शिक्षकों की सेवा गणना एक जुलाई 2018 से की जा रही है। पेंशन के लिए अनिवार्य न्यूनतम सेवा अवधि 30 जून 2028 को पूर्ण होगी। इसलिए पेंशन का लाभ इस तिथि के बाद रिटायर होने वाले शिक्षकों को ही प्रदान किया जा सकेगा। शिक्षक संघ द्वारा लगातार की जा रही मांग के बाद उप संचालक लोक शिक्षण संचालनालय ने स्पष्ट किया है कि शासन द्वारा निर्धारित सभी सेवा लाभ निर्धारित नियमों एवं संविलियन प्रावधानों के अनुरूप ही दिए जा रहे हैं।

1.50 लाख का हुआ है संविलियन

छग शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय शर्मा के अनुसार, प्रथम चरण में एक लाख 9 हजार शिक्षाकर्मियों का शिक्षक के रूप में संविलियन हुआ था। संविलियन के लिए शिक्षाकर्मी के रूप में अनिवार्य सेवा अवधि घटाए जाने के बाद कुछ अन्य शिक्षाकर्मी शिक्षक बने। इस तरह से विभिन्न चरणों में एक लाख 50 हजार शिक्षकों का संविलियन हुआ था। इनमें से लगभग 13 हजार शिक्षक ऐसे हैं, जो 2028 के पूर्व अर्थात पेंशन के लिए अनिवार्य 10 वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण किए बगैर ही रिटायर हो जाएंगे। इन्हें पेंशन राशि नहीं मिलेगी।

- पेंशन संबंधित शर्तों को लेकर डीपीआई और शिक्षक संघ आमने-सामने
- 2028 तक रिटायर होने वाले 13 हजार शिक्षकों को नहीं मिल सकेगा

शासकीय कर्मचारी नहीं थे शिक्षाकर्मी

राज्य शासन का कहना है, इस संबंध में सभी प्रावधान नियमानुसार ही लागू किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य में शासकीय शालाओं में कार्यरत शिक्षकों (पंचायत/नगरीय निकाय) की प्रारंभिक नियुक्ति पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत शिक्षाकर्मी के रूप में की गई थी, जो शासकीय कर्मचारी की श्रेणी में शामिल नहीं थे। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी संविलियन आदेश के तहत शिक्षक (एलबी संवर्ग) की सेवा अवधि की गणना संविलियन 1 जुलाई 2018 से ही की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी संविलियन आदेश 30 जून 2018 के अनुसार, ऐसे शिक्षक जिनकी सेवा अवधि 1 जुलाई 2018 को 8 वर्ष या उससे अधिक पूर्ण हो चुकी थी, उन्हें उनकी सहमति के आधार पर 1 जुलाई 2018 से स्कूल शिक्षा विभाग में संविलियन किया गया। उक्त आदेश के प्रावधानों के तहत यह स्पष्ट किया गया है कि शिक्षक (एलबी संवर्ग) को देय समस्त सेवा लाभों के लिए सेवा अवधि की गणना संविलियन दिनांक से ही की जाएगी। राज्य शासन शिक्षकों के हितों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है और पारदर्शिता के साथ सभी प्रावधानों का क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहा है।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा के नेतृत्व में प्रदर्शन

3 वार्डों में जल संकट, कांग्रेस ने जोन 5 दफ्तर में हल्ला बोला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी के भक्त कर्मा माता वार्ड, डॉ. खूबचंद बघेल और महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड में पेयजल संकट की समस्या को लेकर प्रभावित वार्ड के रहवसियों के साथ कांग्रेस के पदाधिकारियों ने ईदगाह भाठा स्थित जोन 5 कार्यालय में प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा के नेतृत्व में किया गया। मटका लेकर शहरी सरकार से पानी की समस्या दूर करने नारेबाजी की गई।

दरअसल, चंगोराभाठा, न्यू चंगोराभाठा, करन नगर, महादेव नगर, गणपति नगर श्रीराम नगर, यादव पारा, बीएसयूपी कालोनी और महंत लक्ष्मी नारायण दास वार्ड के धोबीपारा और खदानेश्वर मंदिर इलाका में बोर सूखने से वहां के रहवासी पानी टैंकर के भरोसे काम चला रहे हैं। इसके बाद भी इन वार्डो की पेयजल समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसके विरोध में प्रभावित इलाके के रहवासियों ने जोन 5 कार्यालय में प्रदर्शन कर पानी की समस्या दूर करने मांग की, इसके साथ ही धरना प्रदर्शन के बाद जोन कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा गया। धरना प्रदर्शन में शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, ब्लाक अध्यक्ष विनोद ठाकुर, ओम श्रीवास,देव कुमार साहू, महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड के छाया पार्षद बंशी कन्नौजे, संदीप शर्मा, ऋषि देवांगन, गौरीशंकर पांडे, राज देवांगन, दीपक चौबे, सीमा देवांगन, अंजलि साहू, जयराम सोनकर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरिभूमि

रायपुर, गुरुवार 23 अप्रैल 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

हापुस, सुंदरी की बाजार में दस्तक....

लाइव इवेंट

शैक्षणिक गतिविधियों के लिए बनाई रूपरेखा, होंगे आयोजन

रायपुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) की कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय इकाई की बैठक बुधवार को एनआईटी में आयोजित की गई। इसमें इकाई की कार्य योजना पर चर्चा की गई। पत्रकारिता एवं जनसंचार शिक्षण और शोध से जुड़े विद्वानों को सदस्य बनाया जाएगा। एक पाक्षिक मिलन आयोजित किया जाएगा। साथ ही महासंघ के द्वारा एआई और मीडिया विषय पर जुलाई में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। प्रांत संयोजक प्रो. आरडी शर्मा ने बताया कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ शिक्षा और शिक्षकों के विकास पर काम कर रहा है। इस संगठन से देश में 15 लाख से अधिक शिक्षक जुड़े हुए हैं। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में इसकी इकाइयों का गठन किया गया है।

शिक्षकों एवं विद्वानों की सदस्यता पूर्ण की जाएगी

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में पत्रकारिता शिक्षण एवं शोध का व्यवस्थित वातावरण तैयार करने के लिए काम किया जाएगा। इकाई के अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि इस इकाई से पत्रकारिता शिक्षण एवं शोध से जुड़े विद्वानों को भी जोड़ा जाएगा। इसके लिए सदस्यता कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस इकाई के अंतर्गत पत्रकारिता विश्वविद्यालय एवं उससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के पत्रकारिता शिक्षण एवं शोध से जुड़े शिक्षकों एवं विद्वानों की सदस्यता पूर्ण की जाएगी। बैठक में महासंघ के वार्षिक कैलेंडर सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को भेंट किए गए। आभार उपाध्यक्ष डॉ. आकांक्षा दुबे ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. अनामिका शर्मा, डॉ. कपिल प्रजापति, डॉ. प्रज्ञा गुप्ता, श्री चंद्रशेखर शिवहरे सहित महासंघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

बच्चों व बड़ों के स्वाद और सेहत के अनुसार परोस रहें भोजन व पेय पदार्थ

गृहणियों ने किचन का बदला मेनू, फैमिली को सेहतमंद रखने ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर सब समर स्पेशल

घर की सेहत व थाली का स्वाद गृहणियां की हाथों पर निर्भर करता है। भीषण गर्मी और लू के चलते खाने का जायका सेहत न बिगाड़ दे, इसको लेकर गृहणियां किचन की मेन्यू पर खास ध्यान दे रही हैं। वे परिवार के सदस्यों को सेहतमंद रखने किचन में भारी और मसालेदार खाने की जगह ठंडक और ताजगी देने वाले व्यंजन तैयार कर ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर में परोस रही हैं।

इस मौसम घर का ही बना भोजन-शरबत लें

शहर की जानी-मानी डायटिशियन डॉ. सारिका श्रीवास्तव का कहना है कि इस गर्मी के मौसम में घर के किचन में तैयार किए खाने-पीने की चीजों को प्राथमिकता दें। गर्मी से राहत पाने के चक्कर में बाहर का जूस या पेय पदार्थ, भारी व तली-भूनी खाद्य सामग्रियों व भोजन का सेवन, नास्ता, लंच या डिनर के रूप में लेने से बचें। मौसम बदलने के साथ कई गृहणियां अपने घर का डाइट चार्ट को लेकर परामर्श लेती हैं। इस सीजन में भी गृहणियां किचन में हेल्दी डिश व ड्रिंग्स तैयार करने सलाह ले रही हैं, जिन्हें किचन में हल्के, ताजे और हाइड्रेट खाने-पीने की सामग्रियों को शामिल करने की सलाह दे रहे हैं। मैं भी अपने किचन में देशी शरबत व थाली के साथ क्विनोआ सलाद को शामिल कर रही हूं।

रायपुर। गृहणियां स्वयं घर के बच्चों व बड़ों की सेहत व स्वाद के अनुसार मेन्यू चुन रही हैं, जो हल्के, ताजे और हाइड्रेट हों। ताकि, समर क्लासेस, ट्यूशन और ऑफिस के लिए गर्मी में घर से बाहर निकलने वाले सदस्यों की एनर्जी लेबल बना रहे। किचन में सुबह के स्टार्टर, एनर्जी ड्रिंक्स और मॉकटेल्स से लेकर डिनर थाली के मेन्यू में कई स्पेशल डिशेज एड कर रही हैं और रुटीन मेन्यू को रिप्लेस कर रही हैं। इसमें गर्मी के अनुसार देशी शर्बत में नींबू पानी, जलजीरा, बटरमिल्क, नारियल पानी, तरबूज का जूस और छाछ को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं, ब्रेकफास्ट में तला-भुना खाने के बजाय ठंडे और ताजे व्यंजन में फरा, चीला, चौसेला और साउथ डिश में दही बड़ा, दही भल्ला, टोमैटो बेसिल, ब्रुशेटा शामिल कर रही हैं। जबकि डिनर में भारी करी के बजाय हल्के व्यंजन में गार्डन-फ्रेश टोमैटो और बुर्राटा सलाद, लेमन राइस, दही चावल, ग्रील्ड पनीर, हर्ब-मैरिनेटेड, भुनी हुई सब्जियों के साथ क्विनोआ सलाद शामिल कर रही हैं। किचन के टेस्ट मेन्यू में यह बदलाव न केवल परिवार के बच्चे-बड़े सदस्यों को गर्मी से राहत दे रहा है, बल्कि वे अपने मनपसंद खाने-पीने का लुफ्त लेने के साथ खुद को हेल्दी अनुभव कर पा रहे हैं। इतना ही नहीं, घर के किचन में तैयार हो रहे यह समर स्पेशल व्यंजन परिवार के सदस्यों को गर्मियों में होने वाले स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से भी बचा रहे हैं।

क्रूड राइस डीलाइट बना रही

गृहणी शोभा मोहता का कहना है कि वह गर्मी में अपने किचन में ब्रेकफास्ट में ग्रील्ड और कच्ची चीजों को शामिल कर रही हैं। सलाद और डिप्स में कुकुम्बर राउंड्स खीरे के स्लाइस पर क्रीम, टमाटर बेसिल ब्रुशेटा, हेल्दी बाइट्स में दही बड़ा, पुदीना और इमली की चटनी के साथ, फरा, चौसेला बना रहीं। इसके साथ ही लंच व डिनर में कम मसालेदार भोजन बना रही हूं। इसमें ट्रि कलर कूड राइस डीलाइट शामिल हैं।

आइसक्रीम और मौसमी फलों व शबरत स्पेशल

गृहणी लक्ष्मी डडसेना ने बताया कि वह गर्मी के लिए पेय पदार्थ में वाटरमिलन डीलाइट तैयार की हैं। वहीं, गर्म गुलाब जामुन की जगह ठंडी कुल्फी, फ्रूट पार्फे, मिनी मैंगो टार्ट, आइसक्रीम और मौसमी फलों का स्पेशल डिश तैयार कर रही हैं। वहीं, रशिम अग्रवाल ने बताया कि वह किचन में जलजीरा जूस विद करी तैयार कर रही हैं। इसके अलावा आइसक्रीम में विभिन्न फ्लेवर के साथ गुलाब जामुन, ठंडी फिरनी, शाही टुकड़ा, पुडिंग और फ्रूट्स में ताजे फलों की डिश परोस रही हैं।

घर में बना रही हूं फैमिली के लिए देशी शरबत

गृहणी रोशनी बारवे का कहना है कि पूरे गर्मी के सीजन में मैं अपने परिवार के सदस्यों के लिए घर के किचन में ही एनर्जी ड्रिंग्स तैयार करती हूं। इस सीजन भी आम पना, मसाला छाछ, फ्रेश फ्रूट जूस में तरबूज, अनानास और मौसमी फलों से तैयार कर रही हूं। वहीं ब्लू लैगून, मोजितो, लेमनग्रॉस, बेल के शरबत जैसे एनर्जी ड्रिंक्स और मॉकटेल्स मेन्यू में शामिल की हूं। इससे फैमिली मेंबर्स दिन भर गर्मी में हाइड्रेड रहते हैं और बाहर के मिलावटी जूस व शरबतों से सेहत बिगड़ने के खतरे से भी बचते हैं।

बच्चों के लिए फ्रूट पुच स्पेशल बाउल

गृहणी नेहा पुथवानी बताती हैं कि वह गर्मी में अपने किचन में बच्चों के लिए फ्रूट पुच बाउल तैयार कर रही हैं। यह न केवल उन्हें स्वस्थ रखने का एक तरीका है, बल्कि उनके स्वाद के अनुरूप भी है। बच्चों के पसंदीदा फलों जैसे सेब, केला, अंगूर और अनार से फ्रेश व हेल्दी फ्रूट पुच बाउल एनर्जी से भरा हुआ है, जो गर्मी से भी बच्चों को राहत देती है। फ्रूट पुच बाउल को काटकर एक कटोरे में मिलाकर स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें हल्का नींबू का रस और काली मिर्च मिला सकते हैं, जो बच्चे व बड़े दोनों के लिए समर स्पेशल डिश होता है।

सिटी लाइव

एनआइटी में राज्य का पहला ग्रिड रिसर्च इंटेलिजेंस एंड डायग्नोस्टिक सेंटर होगा तैयार

रायपुर। एनआईटी में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी रायपुर के मध्य ग्रिड रिसर्च केंद्र के निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। पॉवर कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत एक करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया। एनआईटी और छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा नवीन पहल करते हुए रिसर्च एवं डेवलपमेंट के क्षेत्र में एक बड़ी राशि अनुग्रहित करने का फैसला किया गया है। एनआईटी द्वारा प्रस्तावित ग्रिड रिसर्च, इंटेलिजेंस एंड डायग्नोस्टिक सेंटर के लिए सहायता राशि की मांग की गई थी, जिसे कंपनी प्रबंधन द्वारा सीएसआर फंड से स्वीकृति दी गई है। पॉवर कंपनी के अध्यक्ष ट्रांसमिशन सुबोध सिंह एवं डिस्ट्रीब्यूशन एवं जनरेशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव की अनुशंसा में इस परियोजना के लिए प्रारंभिक राशि प्रदान की गई है। इस तारतम्य में मंगलवार को प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन आरके शुक्ला द्वारा एनआईटी के डायरेक्टर एनवी रमना राव को स्वीकृति एवं आवंटन पत्र प्रदान किया गया। श्री शुक्ला ने बताया कि सीएसपीटीसीएल द्वारा सामुदायिक विकास गतिविधियों में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं, परंतु यह पहला अवसर है कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र में कंपनी अपनी आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। यह सेंटर राज्य का पहला केन्द्र होगा जो छत्तीसगढ़ में विद्युत क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रिकल टेस्टिंग, कौशल विकास, परीक्षण एवं अनुसंधान के लिए निर्मित होगा। इस अवसर पर सीएसपीटीसीएल से मुख्य अभियंता मानव संसाधन रश्मि वर्मा, कंपनी सेक्रेटरी अरुण मिश्रा, एनआईटी से प्रोफेसर अर्चना शर्मा, एनडी लोंढे, डॉ. के. चन्द्रशेखरन एवं डॉ. रम्या सेल्वाराज उपस्थित रहे।

युवाओं को रोजगार का अवसर भी

इस परियोजना से राज्य में एक स्थायी तकनीकी संरचना का निर्माण होगा, जिससे ना केवल सीएसपीटीसीएल अन्यथा कई संबद्ध उद्योग एवं सूक्ष्म-लघु उद्योग और शैक्षणिक संस्थाओं को भी लाभ मिलेगा तथा छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार का अवसर भी मिलेगा।

केन्द्र में उन्नत इलेक्ट्रिकल परीक्षण की व्यवस्था उपलब्ध होगी

इस अनुसंधान केन्द्र की मुख्य विशेषता यह होगी कि इस केन्द्र में उन्नत इलेक्ट्रिकल परीक्षण की व्यवस्था उपलब्ध होगी, जो कि एनएबीएल मान्यता प्राप्त रहेगी। स्मार्ट ग्रिड विश्लेषण और तकनीकी उन्नयन के क्षेत्र में यह कार्य करेगा। अभियंताओं, टेक्निशियनों और छात्राओं के लिए यहां अलग-अलग ट्रेनिंग प्रोग्राम होंगे, जिससे कौशल विकास के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य अग्रणी बनेगा।

चुभती दोपहरी के बाद मरीन ड्राइव और गार्डन में सुकून की आस

रायपुर। तपती दोपहरी में दौड़-भाग भरे जीवन शैली के बीच लोग शाम ढलते ही मरीन ड्राइव और आसपास के गार्डन में सुकून के पल बिताने के लिए बच्चों के साथ पहुंच रहे हैं। जहां बच्चों को खुशनुमा माहौल के साथ खेलने का अवसर मिल रहा है। वहीं, भीषण गर्मी के बाद सुकून की उम्मीद से कटोरा तालाब गार्डन में भी लोगों की चहल-पहल बढ़ने लगी है। उनके खुशनुमा लम्हों से सजी श्रृंखला से जुड़े दृश्य...

गर्मी से राहत देने राहगीरों को वितरित किया छाछ

रायपुर। संस्था, अवाम ए हिन्द सोशल वेलफेयर कमेटी द्वारा संस्थापक मो. सज्जाद खान के नेतृत्व में संचालित सुपोषण अभियान के तहत बुधवार को निःशुल्क भोजन वितरण किया गया। सेवा के 2215वें दिन बेसहारा, लाचार व्यक्तियों, मासूम बच्चों और शासकीय डीकेएस अस्पताल में दूरदराज से इलाज के लिए आए मरीजों और परिजनों को गर्म व पौष्टिक भोजन व छाछ वितरण किया गया। साथ ही शहर के व्यस्तम मार्गों, चौक चौराहों में सैकड़ों राहगीरों को ठंडा छाछ और मट्ठा बांटकर बढ़ती गर्मी से राहत पहुंचाने का काम किया गया। संस्था अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए मानव जीवन सुरक्षित करने की भरपूर कोशिश करने के साथ ही सामाजिक कार्य करने में तत्पर है। सेवा में राजेंद्र शर्मा, महावीर जैन, जुबैर खान, राजकुमार साहू, कुलविंदर सिंग, फराज खान द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

शादी पार्टी से लेकर हर वेकेशन में चार चांद लगाने बेस्ट ऑप्शन

समर फैशन आउटफिट गर्ल्स की पहली पसंद लाइटवेट डिजाइनर सिल्वर घुंघरू और चेन पायल

कार्नर न्यूज

रायपुर। समर फैशन आउटफिट के साथ लाइटवेट डिजाइनर सिल्वर ज्वेलरी का गर्ल्स में क्रेज बढ़ा है। शहर की ज्वेलरी डिजाइनर निहारिका शर्मा बताती हैं कि अगर रोजाना पहनने के लिए हल्की और सिंपल डिजाइन ढूंढ रही हैं तो मिनिमल चेन पायल बेस्ट ऑप्शन हैं। पतली-सी सिल्वर चेन वाली ये पायल ऑफिस और कॉलेज दोनों जगह कैरी की जा सकती हैं। इसकी डिजाइन इतनी हल्की होती है कि इसे पहनने में कोई दिक्कत नहीं होगी और पूरे दिन आरामदायक महसूस होगा। मोर और हाथी डिजाइन की पायल ब्राइड्स के लिए बेस्ट है। इस तरह की पायल मार्केट में छाने लगी है। जब किसी लड़की की शादी हो रही हो, तब वह खासतौर से ऐसे पायल ही खरीदती है। हैवी घुंघरू वाली पायल उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प हैं, जो अपने लुक में कुछ खास और लग्जीरियस जोड़ना चाहती हैं। वैसे तो घुंघरू वाली पायल बहुत ही पुराना ट्रेंड है, मगर इसमें बहुत अच्छी वैरायटी मार्केट में मिल जाएगी। पतली-सी सिल्वर चेन वाली पायल अपने मिनिमम और हल्के वजन वाली डिजाइन के कारण ऑफिस और कॉलेज दोनों जगह पहनने के लिए एक बेहतरीन विकल्प हैं, जो एलिगेंट और स्टाइलिश लुक देती है। ये पायल रोजाना पहनने के लिए आरामदायक होती है और वेस्टर्न या एथनिक दोनों तरह के आउटफिट्स के साथ आसानी से पहनी जा सकती है।

इन आउटफिट के साथ देगा कैजुअल लुक

सिल्वर एंकलेट्स के लेटेस्ट डिजाइन, जैसे सिंगल लेयर चेन आजकल काफी ट्रेंड में है। वर्सेटाइल स्टाइल यह सिंपल एंकलेट ऑफिस के फॉर्मल कपड़ों के साथ-साथ कॉलेज के कैजुअल स्टाइल के साथ भी बहुत अच्छी लगती है। इन्हें जींस, कुर्ती या क्रॉप पैंट के साथ पहना जा सकता है।

स्टड ईयरिंग्स का बढ़ा ट्रेंड

फैशन की दुनिया में आजकल लड़कियों के बीच सिल्वर स्टड ईयरिंग्स का ट्रेंड काफी तेजी से बढ़ता जा रहा है। हर आउटफिट के साथ पहनने के बाद खूबसूरती काफी ज्यादा बढ़ जाती है। स्टड ईयरिंग्स की लेटेस्ट डिजाइन में बटरफ्लाई, हार्ट शेप, फ्लॉवर शेप काफी पसंद की जा रही है। इस तरह की डिजाइंस लाइटवेट होती है, अगर सिंपल रहना पसंद है तो ये डिजाइंस परफेक्ट रहेंगी।

सिटी लाइव

हीट स्ट्रोक से बचने पानी व छाछ पीते रहें और रखें सेहत का ध्यान

रायपुर। भीषण गर्मी में 11 बजे के बाद घरों से निकलना लोगों को मुश्किल हो गया है। ऐसे में समता कॉलोनी स्थित सियान गुड़ी पहुंचीं डॉ. कमल वर्मा ने वहां आने वाले बुजुर्गों को हीट स्ट्रोक से बचने और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह देते हुए कहा कि इस गर्मी में अगर आपको प्यास नहीं भी लग रही है, तो भी नियमित समय के अंतराल में पानी, नींबू पानी और छाछ का सेवन करें। बताते चलें कि समाज कल्याण विभाग की ओर से अनुदानित और महाराष्ट्र मंडल द्वारा संचालित सियान गुड़ी का संचालन समता कालोनी में किया जा रहा है। जहां डॉ. कमल वर्मा ने बुजुर्गों के सवालों पर कहा कि गर्मी के दिनों में आप लोगों को घर में खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं

उन्होंने आगाह किया कि ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। सियान गुड़ी पहुंचीं मंडल की कार्यकारिणी सदस्य मालती मिश्रा ने सभी बुजुर्गों से अपने रूटीन में ध्यान और योग को महत्व देने को कहा। उन्होंने सभी से प्रतिदिन सुबह कम से कम एक मिनट का ध्यान करने को कहा। इसके लिए सभी को एक आडियो मैसेज भी दिया। उन्होंने बुजुर्गों को बताया कि आराम से बैठें, आंख बंद करें और शरीर को ढीला छोड़ दें। फिर अपना सारा ध्यान परमात्मा पर लगाएं। एक-दो मिनट के बाद अपनी आंखें खोलें और सकारात्मक सोच के साथ अपने रूटीन काम में लग जाएं। शुरू में आपको इसका लाभ समझ में नहीं आएगा, लेकिन अगर इसे रूटीन में लाएंगे तो रिलैक्स महसूस कराएगा।

धर्म लाइव

भगवान परशुराम के प्रसंगों पर विद्वानों ने किया संवाद

रायपुर। कान्यकुब्ज सभा शिक्षा मंडल की पहल पर भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में आराध्य देव की महाआरती की गई। इस मौके पर सुमधुर भजनों की प्रस्तुति भी दी गई। इसमें भगवान परशुराम की आस्था में दस संस्थाओं के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। इसमें पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्यनारायण शर्मा, पूर्व विधायक विरेंद्र पांडेय, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, पंकज शर्मा प्रमुख रूप से शामिल हुए। इस आयोजन की श्रृंखला में भगवान परशुराम के जीवन प्रसंगों पर अतिथियों ने प्रकाश डालते हुए भव्य स्वरूप देने के लिए चर्चा की। इनकी मौजूदगी में आराध्य देव के कृतित्व पर विद्वान वक्ताओं द्वारा चर्चा की गई।

संयुक्त रूप से मनाई जाएगी आराध्य देव की जयंती

इस आयोजन के संयोजक जयशंकर तिवारी एवं संचालक वरिष्ठ पत्रकार राजेश मिश्र और विकास तिवारी ने किया। वहीं, ब्राह्मण समाज ने संयुक्त रूप से निर्णय लिया कि आगामी वर्ष में आराध्य देव की जयंती संयुक्त रूप से मनाई जाएगी। इसमें विभिन्न ब्राह्मण समाज से जुड़े लोग और पदाधिकारी शामिल होंगे। यह निर्णय इसलिए लिया गया, ताकि भगवान की आस्था में होने वाले आयोजन को गरिमामय स्वरूप दिया जा सके। इस मुद्दे को सभी ने सहमति देते हुए 2027 में जयंती उत्सव को महोत्सव का रूप देने की सहमति बनी। वहीं, आयोजन के बीच अतिथियों ने समाज को एकता के सूत्र में पिरोने पर जोर दिया।

समाज लाइव

पक्षियों के साथ गौवंश के लिए दाना और पानी देने की पहल

रायपुर। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में कई श्रद्धालुओं ने भगवान आदिनाथ के जीवन की घटना (एक साल 39 दिन उपवास के बाद) पारणे से प्रेरणा लेकर अक्षय तृतीया पर जीव दया की ओर कदम बढ़ाया। आदिनाथ भगवान के जीवन की घटना प्रेरणा देती है। प्रसंग यह है कि पूर्व भव में एक बैल बार -बार खाने की सामग्री में मुंह डालकर खाने का प्रयास कर रहा था और उसका मालिक इसके लिए उस बैल की बार-बार पिटाई भी कर रहा था। भगवान आदिनाथ उस भव में बैल की पिटाई से दुःखी हो रहे थे। बैल पर जीवदया के भाव से उसके मालिक को सलाह दी कि इसके मुंह पर छीका बांध दो, इससे यह खाने में मुंह नहीं डालेगा और पिटाई से बच जावेगा। मालिक ने सलाह मानते हुए बैल का मुंह बंधवा दिया।

पशु- पक्षियों के लिए किया लंगर, चारा- दाना

बैल पिटाई से तो बच गया, लेकिन भोजन में अंतराय हो गई। इसके परिणाम स्वरूप भगवान आदिनाथ के भोजन में अंतराय आया। परन्तु भगवान ने कर्मों के परिणाम को उपवास तप के क्रम में बदलकर कर्मों की निर्जरा की। इस घटना से प्रेरित होकर सेवाभाव से श्रद्धालुओं ने बुधवार को जैन मंदिर व दादाबाड़ी के दर्शन पूजन बाद पक्षियों के लिए दाना फ्रीडर व सकोरा लिया। घर जाने के बाद सर्वप्रथम फ्रीडर में दाना भरा, फ्रीडर व पानी भरे सकोरे को बाल्कनी, छत और गार्डन में रखा। महेन्द्र कोचर ने बताया कि जीव दया के बाद घी, इमलानी व बड़ी की सब्जी का सामूहिक भोजन गृहण किया।

● राजधानी में फलों के राजा की बढ़ी पूछ-परख, हापुस आम इस बार भी 900 से 1200 रुपए दर्जन, फिर भी क्रेज

हापुस, सुंदरी की बाजार में दस्तक, आम्रपाली-दशहरी और लंगड़ा आम का स्वाद लेने करना होगा इंतजार

'आम का शौक रखने वालों को गर्मी का इंतजार रहता है। मौसमी हापुस, सुंदरी, बैगन पल्ली जैसे रसीले आमों की खेप आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना और रत्नागिरी से शहर में आने लगी है। इन मौसमी आमों के शौकीनों के बीच पूछ-परख भी बढ़ने लगी है। जबकि ओडिशा से आने वाले आम्रपाली, लंगड़ा, दशहरी का स्वाद लेने के लिए लोगों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। फलों के थोक व्यापारियों के पास हापुस आम अभी 900 से 1200 रुपए दर्जन की दर से लोग खरीद रहे हैं।'

रायपुर। राजधानी से सटे लालपुर थोक फल मार्केट में इन दिनों हापुस आम (जिसे हाफिज या हाफूस भी कहा जाता है) अपनी बेहतरीन खुशबू, मलाईदार गूदे और गहरे स्वाद के लिए शौकीनों के बीच चलन में हैं। थोक व्यापारी सतीश चौधरी और राजा खान ने बताया कि यह मुख्य रूप से महाराष्ट्र क्षेत्र के कोंकण, देवगढ़ और रत्नागिरी में पाया जाता है। महाराष्ट्र के रत्नागिरी और देवगढ़ के साथ गुजरात के वलसाड और नवसारी क्षेत्र से इस किस्म के हापुस आम मंगाए जाते हैं। इसका गूदा सुनहरा-पीला, रेशे रहित होने से पसंद किया जाता है। बहुत रसीला होता है, जो मुंह में घुल जाता है। यह मार्च के अंत से जून तक बाजार में उपलब्ध होता हैं। इसके चलते शौकीनों के बीच क्रेज है।

सुंदरी और बैगन पल्ली लोगों के बजट में

थोक व्यापारियों ने बताया कि सुंदरी आम अपनी चमकदार पीली त्वचा, लालिमा और रसीले, मीठे स्वाद के लिए प्रसिद्ध है। यह मुख्य रूप से गुजरात और आंध्र प्रदेश में पाया जाता है। यह मध्यम आकार का, कम रेशे वाला और अच्छी खुशबू वाला आम है, जो अप्रैल से जुलाई के बीच उपलब्ध होता है। सुंदरी आम विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में मदद करता है। इसमें आहार फाइबर भी होता है, जो पाचन में सुधार करता है, इसकी इन्हीं खूबियों के चलते बाजार में पूछ-परख कायम है। यह थोक में 50 से 80 रुपए किलो की दर से बिक रहा है।

बैगनपल्ली का खट्टा-मीठा स्वाद भा रहा

बैगनपल्ली आम, जिसे उत्तर भारत में सफेदा या बेनिशान भी कहा जाता है। यह आंध्र प्रदेश का एक लोकप्रिय, बड़ा और अंडाकार आम है। यह मुख्य रूप से खट्टा-मीठा स्वाद, रेशा-रहित गूदे और पतले छिलके के लिए जाना जाता है। यह बाजार में आमद दे चुका है और इसकी लोग खरीदी करने के लिए भी पहुंच रहे हैं। फुटकर आमों के रेडी लगाने वालों के पास उपलब्धता के चलते लोगों को आते-जाते आसानी से मिलने लगा है। व्यापारियों ने बताया कि आम के व्यवसाय से जुड़े शाप शहर में बढ़ने से आमपना और शरबत के रूप में उपयोग होने से डिमांड भी बढ़ने लगी है।

ओडिशा से मई में आएगा दशहरी आम

थोक व्यापारियों ने बताया कि मई में उत्तर प्रदेश और ओडिशा से आम्रपाली, लंगड़ा, दशहरी आम की नई खेप आने लगेगी। इसके लिए अभी लोगों को इंतजार करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि मई में नई खेप आने से बाजार में आम के दाम भी कम होंगे। अभी सीमित मात्रा में आपूर्ति होने से हापुस सहित सभी आम की कीमत फुटकर बाजार में ज्यादा है।

धरती को स्वच्छ रखने और पर्यावरण बचाने के लिए लिया संकल्प पृथ्वी दिवस पर हुई परिचर्चा

रायपुर। जलवायु परिवर्तन विभाग और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के साथ ही ग्राम विकास प्रभाग द्वारा संयुक्त रूप से विश्व पृथ्वी दिवस पर नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन में परिचर्चा की गई। इसमें प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्रीनिवास राव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यप्राणी संरक्षक अरुण कुमार पाण्डे, ब्रह्माकुमारी सविता दीदी, रश्मि दीदी, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील कुमार मिश्रा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक शालिनी रैना सहित बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री राव ने संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि मेडिटेशन से स्वच्छ आचरण, स्वच्छ व्यवहार और स्वच्छ पर्यावरण में मदद मिलती है। पृथ्वी जीवित लोगों के लिए जीवन्त ग्रह है। जीवित रहने के लिए और कोई दूसरा ग्रह नहीं है, इसलिए हमें अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

विश्व पृथ्वी दिवस मनाने की जरूरत क्यों पड़ी?

श्री पाण्डे ने कहा कि पर्यावरण को जो नुकसान हो चुका है, उसे तो हम नहीं बदल सकते हैं। लेकिन, अब हमें अपनी जिम्मेदारी उठानी होगी। कभी भी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का काम न करें। धरती के प्रति कृतज्ञता का भाव रखें। पर्यावरण समस्या नहीं, समस्या हम लोग स्वयं हैं। वहीं, रायपुर केन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि यह सोचने की बात है कि हमें विश्व पृथ्वी दिवस मनाने की जरूरत क्यों पड़ी? एक समय था जब संसार का वायुमण्डल शुद्ध था। नदियों का पानी स्वच्छ था। प्रकृति हमारी सारी जरूरतों को पूरा करती थी। लेकिन, अपने स्वार्थवश इसे प्रदूषित कर दिया। परिचर्चा की शुरुआत करते हुए ब्रह्माकुमारी रश्मि दीदी ने बताया कि धरती को प्रदूषण मुक्त और सुरक्षित करने के लिए विश्व पृथ्वी दिवस की शुरुआत वर्ष 1970 में हुई। प्रकृति को प्रभु का उपहार समझकर उपयोग करें तो दुरुपयोग रुक जाएगा।

सिंधी पंचायत और साहिती बिरादरी मंडल ने संयुक्त रूप से की मानव सेवा के लिए पहल

रायपुर। शंकर नगर और शांति नगर सिंधी पंचायत एवं सिंधी साहिती बिरादरी मंडल ने संयुक्त रूप से बुधवार को स्वर्गीय कन्हैयालाल छुगानी की जयंती पर एक आयोजन किया गया। मानव सेवा के लिए किए गए आयोजन के बारे में पंचायत के कोषाध्यक्ष सतीश छुगानी ने बताया कि दोनों संस्थाओं के लंबे समय तक संरक्षक रहे। लिहाजा, दोनों संस्थाओं ने उनके मानव सेवा के लिए समर्पित जीवन को नमन करते हुए उनको स्मरण में रखने के उद्देश्य से संयुक्त रूप से मानव सेवा का संकल्प लिया। इस प्रकल्प के अंतर्गत मेकाहारा के बाहर राहगीरों के लिए छाछ वितरण के साथ प्रसाद स्वरूप चना वितरण किया गया। इसका लाभ 8 हजार से अधिक लोगों ने लिया।

आगामी दिनों में अलग अलग क्षेत्र में देंगे सेवा

इस दौरान शंकर नगर और शांति नगर सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मुरली केवलानी व संरक्षक अशोक नेनवानी, भारत रामानी, अशोक मखीजा, प्रताप थारवानी, राजकुमार बजाज शामिल हुए। सिंधी साहिती बिरादरी मंडल के अध्यक्ष दिलीप इसरानी, महासचिव सुनील अजवानी के मार्गदर्शन में आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ विश्व शांति के लिए प्रार्थना करते हुए किया गया। शदाणी दरबार से उदय शदाणी एवं बंटी गबडा तथा अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, निगम के सभापति सूर्यकांत राठौर की उपस्थिति में नए प्रकल्प को शुरू किया गया। साथ ही कन्हैयालाल छुगानी की स्मृति में आगामी दिनों में अलग-अलग क्षेत्र में सेवा भावना से काम करने का निर्णय लिया गया।

गर्मी में ठंडे पानी पीने व लाइफ स्टाइल को हेल्दी रखने मिट्टी के बर्तनों की लोगों में बढ़ी डिमांड

मिट्टी के डिजाइनर थर्मस, सुराही और मटके न्यू जनरेशन की बनी च्वॉइस, घर-ऑफिस में कर रहें कैरी

कार्नर न्यूज

रायपुर। गर्मी में देसी फ्रिज यानी मिट्टी के मटकों, सुराहियों और थर्मस की डिजाइनर बर्तनों की इन दिनों खूब डिमांड हो रही है। न्यू जनरेशन अपने लाइफ स्टाइल में नए पैटर्न के रूप में डिजाइनर बर्तनों को शामिल कर रहे हैं। गर्मी के मौसम में मिट्टी के बर्तन से पानी पीना सेहत के लिए लाभकारी होने के कारण इसकी डिमांड हर जनरेशन में कायम है। फर्क बस इतना हुआ है कि अब मिट्टी के बर्तनों को नए जमाने के हिसाब से डिजाइन किया जाने लगा है। यही वजह है कि मिट्टी के डिजाइनर बर्तन हर वर्ग की पहली पसंद बन रही हैं। गृहणी, स्टूडेंट्स, प्रोफेशनल सभी घर से लेकर ऑफिस-दफ्तर तक गर्मी में ठंडी व सेहतमंद पानी पीने के लिए मिट्टी के डिजाइनर बर्तनों में मटकों, सुराहियों और थर्मस कैरी कर रहे हैं। गर्मी के सीजन के दौरान बाजार में इन मिट्टी की डिजाइनर बर्तनों को लेकर जबरदस्त क्रेज

सोसायटी में देखने को मिल रहा है। शहर के महादेवघाट, माना, रायपुरा, पुरानी बस्ती, कालीबाड़ी के कुम्हार बड़े पैमाने पर मिट्टी के डिजाइन बर्तन व घड़े बना रहे हैं। प्रदेश के शहर व ग्रामीण अंचल के अलावा पड़ोसी राज्यों में भी मिट्टी के इन डिजाइनर मटकों, सुराहियों और थर्मस की सप्लाई की जा रही है। कुम्हार परिवार के लोग समय की मांग के अनुसार अपने मिट्टी कला को नया स्वरूप में ढाल चुके हैं। वे नए जनरेशन की पसंद को ध्यान में रखकर मिट्टी के एक से बढ़कर एक डिजाइनर बर्तनें व होम डेकोरेशन की सामग्री भी तैयार कर रहे हैं। इस साल मिट्टी के मटके, सुराही, थर्मस, होम डेकोरेशन के सामान व पारंपरिक पूजा-पाठ के बर्तनों में भी नए डिजाइन दे रहे हैं। महादेवघाट निवासी सूरज कुंभकार ने बताया कि इस साल गर्मी का मौसम ठीकठाक चल रहा तो अच्छी आमदनी की आस है। गर्मी के तीन-चार महीने में थोड़ी-बहुत आमदनी हो जाती है।

डिजाइनर बर्तनों की कीमत 200 से 400 रुपए तक

कालीबाड़ी और पुरानी बस्ती के पास मटके व मिट्टी से बनी सामग्री के स्टॉल लगाए व्यापारियों ने बताया कि शहर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण अंचलों से कुम्हारों से डिजाइनर मटके और मिट्टी के बर्तन खरीदकर बेचते हैं। इन डिजाइनर बर्तनों में मटकों, सुराहियों और थर्मस को 200 से 400 रुपए तक में बेच रहे हैं। गर्मी व शादी-विवाह के सीजन में इसकी डिमांड खूब हो रही है। सूरज कुंभकार व बिमला बाई कुंभकार ने बताया कि शहर के कई लोग तो सालभर मटके का ही पानी पीते हैं, क्योंकि इनका मानना है कि स्वास्थ्य के लिहाज से मटके का पानी शरीर के लिए अनुकूल रहता है।

पोर्टेबल साइज व आकर्षक डिजाइन

कुम्हारों का कहना है कि नए जनरेशन के हिसाब से मिट्टी के डेली उपयोग के बर्तनों जैसे थर्मस, सुराही, पॉट, कुल्हड टी-कप पोर्टेबल साइज व आकर्षक डिजाइन में उपलब्ध हैं। कीमत भी लोगों की बजट में है। हालांकि, मिट्टी के डिजाइनर बर्तन तैयार करने में समय व लागत दोनों बढ़े हैं। इसलिए पुराने डिजाइन के बर्तनों के मुकाबले महंगे हैं, लेकिन ग्राहक भी इसे समझ रहे हैं। बाजार में लोग उत्साह के साथ अपनी जरूरत व पसंद के मिट्टी के बर्तन खरीद रहे हैं। मटका निर्माण से जुड़े लोगों ने बताया कि मटके व मिट्टी के अन्य सामान तैयार करने की लागत हर साल बढ़ती ही जा रही है।

हेल्थ टिप्स

चलने लगी है लू, बच्चों को बचाने करें तुरंत उपाय

अप्रैल के महीने में तेज चिलचिलाती गर्मी में लोगों का हाल बेहाल है। अगर आप ऐसे में अपने बच्चे को सुरक्षित रखना चाहते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें। अप्रैल के महीने में तेज चिलचिलाती गर्मी का असर बच्चों पर सबसे ज्यादा पड़ता है। कई बार बच्चे लंबे समय तक बाहर रहते हैं और सूरज की सीधी धूप में उन्हें हीट स्ट्रोक या डिहाइड्रेशन का खतरा रहता है। खासकर छोटे बच्चे और कमजोर इम्यून वाले बच्चे जल्दी प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में माता-पिता और अभिभावकों को कुछ विशेष सावधानियों का पालन करना चाहिए। आपको बच्चों को गर्मी और हीट स्ट्रोक से सुरक्षित रखने के प्रभावी तरीके जरूर जानना चाहिए।

पर्याप्त पानी पिलाएं

गर्मी में बच्चों का शरीर जल्दी डिहाइड्रेट हो सकता है। उन्हें हर 1-2 घंटे में पानी पिलाना बेहद जरूरी है। छोटे-छोटे घूंट में पानी देना ज्यादा असरदार होता है। इसके अलावा फल और जूस जैसे हाइड्रेटिंग भोजन भी मदद कर सकते हैं। इस उपाय से बच्चों का शरीर ठंडा रहता है और हीट स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

हल्के कपड़े पहनाएं

बच्चों को हल्के रंग और सूती कपड़े पहनाने

चाहिए। ये कपड़े गर्मी को सोखते नहीं हैं और शरीर को आराम देते हैं। डार्क रंग के भारी कपड़े धूप में शरीर की गर्मी बढ़ा सकते हैं। सूती कपड़े पसीने को अवशोषित करते हैं और जल्दी सूखते हैं, जिससे बच्चे गर्मी में सहज महसूस करते हैं।

धूप से बचाव

बच्चों को सीधे सूरज की रोशनी में लंबे समय तक न रहने दें। स्कूल जाते समय उन्हें छाता, कैप या हैट पहनाने की आदत डालें। अगर रास्ते में धूप तेज है, तो उन्हें छायादार मार्ग से स्कूल भेजें। यह उनके शरीर को गर्मी से बचाता है और त्वचा पर जलन भी कम करता है।

हल्का और पौष्टिक नाश्ता

गर्मी में भारी भोजन करने से शरीर की गर्मी बढ़ती है और ऊर्जा जल्दी खर्च होती है। बच्चों को हल्का और हाइड्रेटिंग नाश्ता दें, जैसे कि फल, दही, और जूस। इससे शरीर ठंडा रहता है और बच्चे स्कूल में सक्रिय रह पाते हैं।

स्कूल बैग हल्का रखें

भारी बैग और गर्म मौसम दोनों मिलकर बच्चों को जल्दी थका सकते हैं। अगर बच्चा स्कूल या ट्यूशन जा रहा है तो जरूरी किताबें, नोटबुक और पानी की बोतल ही बैग में रखें। अतिरिक्त वजन बच्चों के कंधों और पीठ पर दबाव डालता है और गर्मी में थकान बढ़ा सकता है।

सनस्क्रीन का उपयोग

बाहर जाने से पहले बच्चों की त्वचा पर

सनस्क्रीन लगाना जरूरी है। यह त्वचा को सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाता है और जलन, लालिमा या धूप से होने वाली परेशानियों से बचाव करता है। हल्का सनस्क्रीन हर 2-3 घंटे में दोबारा लगाना फायदेमंद होता है।

कम हृदय क्षमता या पोषण की कमी को दूर करने आहार में बदलाव जरूरी

जल्द हांफ जाते हैं तो आहार से बढ़ाइए अपने शरीर की ऊर्जा, दूर हो जाएंगी सारी कमियां

अगर आप भी सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते हांफने लगते हैं तो आपको संभलने की जरूरत है। यहां हम आपको बताएंगे कुछ ऐसी चीजों के बारे में, जिन्हें आपको अपन डाइट में शामिल कर लेना चाहिए। अगर सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते आपको जल्दी हांफना महसूस होता है, तो यह आपके शरीर के लिए एक चेतावनी हो सकती है। अक्सर यह समस्या कमजोरी, कम हृदय क्षमता या पोषण की कमी की वजह से होती है।

ऐसे में सही डाइट अपनाकर आप न केवल ऊर्जा बढ़ा सकते हैं, बल्कि हृदय और फेफड़ों की कार्यक्षमता भी सुधार सकते हैं। कुछ विशेष खाद्य पदार्थ आपके शरीर को प्राकृतिक तरीके से ताकत और सहनशीलता प्रदान करते हैं।

सीढ़ी चढ़ते समय हांफना अक्सर खराब शारीरिक स्टैमिना, कमजोरी, अधिक वजन, या दिल और फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी के कारण होता है। यह समस्या शरीर में हीमोग्लोबिन/आयरन की कमी या विटामिन डी और बी12 की कमी की ओर भी इशारा कर सकती है। यदि यह समस्या अक्सर हो, तो यह हृदय रोग का भी संकेत हो सकता है।

हांफने के मुख्य कारणों में कमजोर स्टैमिनाः नियमित व्यायाम न करना। मोटापाः शरीर

का अधिक वजन फेफड़ों और दिल पर दबाव डालता है। हृदय की समस्याएंः वाल्व रोग या हृदय की पंपिंग क्षमता में कमी। फेफड़ों की स्थितिः अस्थमा, सीओपीडी, या श्वसन मार्ग में रुकावट।पोषण की कमीः हीमोग्लोबिन, आयरन, विटामिन डी और बी12 की कमी।एनीमिया रक्त में ऑक्सीजन कम होना।

क्या करें और सावधानियां

नियमित व्यायामः स्टैमिना बढ़ाने के लिए हल्की सैर या कार्डियो व्यायाम करें। सही डाइटः आयरन और पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें। वजन नियंत्रित करेंः स्वस्थ वजन बनाए रखने से सांस पर दबाव कम होता है। धीमी गतिः सीढ़ियां चढ़ते समय तेज न दौड़ें, धीरे-धीरे चढ़ें।

डॉक्टर से परामर्शः यदि छाती में दर्द, चक्कर आना, या बहुत ज्यादा हांफना हो, तो डॉक्टर से सलाह लें। यदि सीढ़ियां चढ़ने के बाद बहुत ज्यादा हांफना हो और वह जल्दी ठीक न हो, तो यह हृदय रोग या फेफड़ों से संबंधित किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है।

आपको जरूर जानना चाहिए कि कौन-कौन से ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जिन्हें अपनी डाइट में शामिल कर आप सीढ़ियां चढ़ते समय हांफने जैसी समस्या से बच सकते हैं।

दूध और डेयरी उत्पाद

दूध, दही और पनीर जैसी चीजें प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर होती हैं। ये हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और मांसपेशियों की कार्यक्षमता बढ़ाते हैं, जिससे थकान कम महसूस होती है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, मेथी, सरसों और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में आयरन और विटामिन की अच्छी मात्रा होती है। यह ब्लड हेल्थ और ऊर्जा स्तर बनाए रखने में मदद करता है।

फल

केला, सेब, संतरा और अन्य मौसमी फल शरीर को तुरंत ऊर्जा और ताजगी प्रदान करते हैं। फल विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होते हैं, जो थकान कम करने में सहायक हैं।

नट्स और बीज

अखरोट, बादाम, सूरजमुखी के बीज जैसे नट्स हृदय स्वास्थ्य और ऊर्जा के लिए अच्छे हैं। इन्हें रोजाना खाने से मांसपेशियों और शरीर की ताकत बढ़ती है।

नित्या-11 ने 13 रन से जीत लिया क्रिकेट प्रीमियर लीग

भिलाई। नित्या-11 क्लब सेक्टर 7 द्वारा आयोजित नित्या वूमेंस क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 7 के मैदान में किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 7 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच नित्या-11 एवं खुर्सीपार वूमेंस क्रिकेट क्लब के मध्य खेला गया। जिसे नित्या-11 सेक्टर-7 की टीम ने 13 रन से जीता। प्लेयर ऑफ द मैच पायल रही। इस प्रतियोगिता के फाइनल मैच एवं पारितोषिक वितरण कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉक्टर श्रुतिका यादव थी। इस अवसर पर इंद्रजीत सिंह (छोटू), दया सिंह, डॉक्टर संजय गोयल (स्पर्श हॉस्पिटल), पार्षद लक्ष्मीपति राजू, मनीष पांडे, उमेश साहू (पार्षद), सुष्मिता साहू, डॉ पी परी, गोल्डी सोनी, तेजश्री सोनवानी, रजनी रजक, दीप्ति राठौर, और शांति साहू सहित अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन किरण साहू ने किया। यह जानकारी नित्या 11 वूमेन'एस क्रिकेट क्लब सेक्टर 7 की सचिव रानू प्रधान ने दी।

32वीं नेशनल मास्टर्स टेबल टेनिस के लिए छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी तैयार

रायपुर। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ के तत्वावधान में महाराष्ट्र स्टेट टेबल टेनिस संघ की ओर से 32वीं नेशनल मास्टर्स टेबल टेनिस प्रतियोगिता पुणे में 24 अप्रैल से 04 मई 2026 तक आयोजित की जा रही है। जिसमें दिनांक 24 अप्रैल से 28 अप्रैल तक 60+, 65+,70+,75+ और उससे अधिक आयु वर्ग तथा 30 अप्रैल से 04 मई तक 40+, 45+, 50+ एवं 55+ आयु वर्ग की पुरुष एवं महिला वर्ग में टीम/एकल/युगल/मिश्रित युगल वर्ग की प्रतियोगिताएं होगी।

उक्त प्रतियोगिता हेतु मुख्य अतिथि रायपुर के पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला (आईपीएस) थे। अध्यक्षता छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला ने की। अतिथियों ने छत्तीसगढ़ राज्य मास्टर्स टेबल टेनिस टीम की घोषणा की। संजीव शुक्ला ने टीम को टी शर्ट का वितरण किया गया।

प्रतियोगिता में भाग लेने छत्तीसगढ़ मास्टर्स पुरुष एवं महिला (60+, 65+,70+,75+ और उससे अधिक) की टीम बुधवार को रवाना हुई। जिसके कोच पी.एन. मजुमदार (कोरिया) एवं मेनेजर विमल नायर (रायपुर) है। छत्तीसगढ़ मास्टर्स पुरुष एवं महिला (40+, 45+, 50+ एवं 55+) टीम 28 अप्रैल को रवाना होगी। जिसके कोच दीपक कुमार वर्मा (रायपुर) एवं मैनेजर चिरंजीत राय (रायपुर महानगर) है। छत्तीसगढ़ से प्रतियोगिता में अंपायरिंग के लिए प्रिया चावड़ा (रायपुर) को चुना गया है। टीम में पुरुष (आयु वर्ग 40) निखिल बानी- कप्तान (रायपुर), चिरंजीत राय (रायपुर महानगर), दीपक कुमार वर्मा (रायपुर) महिला (आयु वर्ग 40) दिव्या आमदे- कप्तान (रायपुर महानगर), प्रमिला देवांगन (रायपुर महानगर), मोनिका दीवान (बिलासपुर) पुरुष (आयु वर्ग 45) ए.जी. राजू (दुर्ग), महिला (आयु वर्ग 45) मनीषा वाईकर (रायपुर), पुरुष (आयु वर्ग 50) राजेश अग्रवाल (रायपुर), प्रमोद मौर्या (खैरागढ़), पुरुष (आयु वर्ग 55) संजय लहेजा-कप्तान (बिलासपुर), बी. रविकांत (बिलासपुर), राजीव काले (रायपुर), महिला (आयु वर्ग 55) प्रमिला ठाकुर (रायपुर महानगर), पुरुष (आयु वर्ग 60) गिरिराज बागड़ी कप्तान (रायपुर), अरविंद कुमार शर्मा (रायपुर महानगर), योगेश प्रधान (रायपुर), मून मजूमदार (बिलासपुर), विमल नायर (रायपुर) महिला (आयु वर्ग 60) रेणुका सुब्बा (रायपुर), गीता पंडित (रायपुर) पुरुष (आयु वर्ग 65),पी.एन. मजुमदार कप्तान (कोरिया), के. रविशंकर (बिलासपुर), अजीत बेनर्जी (रायपुर), तरुण राठोड़ (रायपुर) महिला (आयु वर्ग 65), ईरा पंत (रायपुर), गौरी डे (बिलासपुर), पुरुष (आयु वर्ग 70) तपन कुमार डे (बिलासपुर). महिला (आयु वर्ग 70) शरबरी मोइत्रा (बिलासपुर) शामिल हैं। उपरोक्त जानकारी छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष विनय बैसवाड़े ने दी।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'जुमानजी' की तीसरे पार्ट की शूटिंग हुई खत्म 'द रॉक' ने शेयर की सेट की बीटीएस तस्वीरें

ड्वेन जॉनसन जिन्हें फैंस प्यार से 'द रॉक' भी बुलाते हैं। ड्वेन जॉनसन ने 'जुमानजी' की तीसरी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। जिसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। इसके साथ ही ड्वेन ने 'जुमानजी 3' के सेट की कई बीटीएस तस्वीरें भी शेयर की हैं। ड्वेन ने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'जुमानजी 3' की कई बीटीएस तस्वीरें की हैं। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी देते हुए लिखा, 'मेरे पूरे करियर में यह सबसे मजेदार और क्रिएटिव अनुभवों में से एक था। जुमानजी की एडवेंचर शूटिंग अब खत्म हो गई है।' ड्वेन ने 'जुमानजी' की तीसरी फिल्म की पूरी कास्ट की तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'मैं बहुत खुशकिस्मत वाला हूं कि पिछले 10 साल से ज्यादा समय तक इस बेहतरीन कास्ट के साथ काम करने का मौका मिला। मैंने उनकी कॉमेडी और मेहनत को करीब से देखा।'

ड्वेन ने खास तौर पर डायरेक्टर जेक कसदान को धन्यवाद दिया और लिखा, 'आपके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात रही। हमने मिलकर जुमानजी की दुनिया में कई अनोखे किरदार बनाए।' उन्होंने रॉबिन विलियम्स को भी याद किया और लिखा, 'यह फिनाले आपके लिए है। डॉ. स्मोल्डर ब्रेवस्टोन का रोल निभाना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात थी। मैंने इसे प्यार, सम्मान और खुशी के साथ किया।'

'जुमानजी 3' फिल्म क्रिसमस के समय सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। पहली फिल्म 'जुमानजी वेलकम टू द जंगल' 2017 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने दुनिया भर में 960 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई की थी।

टॉलीवुड

नेटफ्लिक्स पर तमिल फिल्म 'यूथ' का जलवा, सबसे ज्यादा मिल रहे दर्शक

ओटीटी पर कई बेहतरीन फिल्में मौजूद हैं। हालांकि दर्शकों ने जिस फिल्म को सबसे ज्यादा प्यार दिया है, वह तमिल फिल्म है। इसने 'धुरंधर' और 'टोस्टर' जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ कर नंबर एक का स्थान हासिल किया है। इन दिनों कई लोग सिनेमाघर से ज्यादा ओटीटी पर फिल्में देखना पसंद करते हैं। आजकल ओटीटी पर कई फिल्में मौजूद हैं। इसमें 'धुरंधर' और 'टोस्टर' जैसी फिल्में शामिल हैं। दर्शकों ने इन फिल्मों को ज्यादा तवज्जो नहीं दी है। इस प्लेटफॉर्म पर जिस फिल्म को लोगों ने सबसे ज्यादा देखा है, वह एक तमिल फिल्म है। इसका बजट बहुत कम है।

इन दिनों नेटफ्लिक्स पर जिस फिल्म को सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है, वह तमिल फिल्म 'यूथ' है। यह एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है। इसने 'धुरंधर' और 'टोस्टर' को पीछे छोड़ दिया है। 'यूथ' को तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषा में 16 अप्रैल को स्ट्रीम किया गया। तब से ही इस फिल्म का दर्शक आनंद ले रहे हैं।

'यूथ' के निर्देशक करूणास हैं। इसमें एक स्कूली लड़के की कहानी दिखाई गई है। वह अपने प्यार को पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म 6 करोड़ रुपये में बनी है। इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

'कांतारा' फेम अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने 'यूथ' की तारीफ की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'बहुत समय बाद, मुझे पूरी फिल्म देखने के बाद मुस्कुराने का मौका मिला। 'यूथ' प्यार, दोस्ती और गहरी भावनाओं से भरपूर है और सभी माता-पिता को समर्पित एक कहानी है।' नेटफ्लिक्स पर कई बेहतरीन फिल्में हैं, लेकिन 'यूथ' नंबर एक पर है।

भोजपुरी

'आओ हुजूर'; लहरिया साड़ी...चमचमाते गहने मोनालिसा ने शेयर किया दिलकश लुक

अक्षय तृतीया पर अभिनेत्री मोनालिसा ने सोने के गहने और खूबसूरत साड़ी पहने अपना लुक शेयर किया। भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर बोल्ड लुक साझा करती हैं। अक्षय तृतीया पर वे ट्रेडिशनल लुक में नजर आईं। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा किया है। एक्ट्रेस ने अपना वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे गुलाबी और सफेद रंग की लहरिया प्रिंट साड़ी में नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने सोने के पारंपरिक गहने पहने हैं। मोनालिसा आशा भोसले के गाने 'आओ हुजूर' पर डांस करती दिख रही हैं। उन्होने कैप्शन लिखा है, 'फीलिंग ब्लेस्ड'।

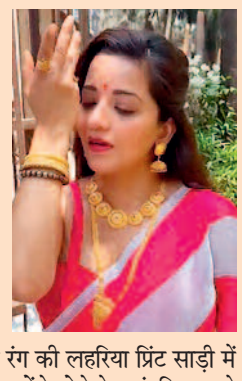

मोनालिसा का यह वीडियो किसी पार्क में शूट किया लग रहा है, जहां प्राकृतिक नजारे कैद हुए हैं। एक्ट्रेस के लुक पर नेटिजंस और फैंस तारीफ कर रहे हैं। लोग कमेंट सेक्शन में फायर और रेड हार्ट इमोजी बना रहे हैं।

मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है। हालांकि, उन्हें अपने स्टेज नाम मोनालिसा से जाना जाता है। भोजपुरी इंडस्ट्री का वे चर्चित नाम हैं। उन्होंने सौ से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा उन्होंने हिंदी, बंगाली, ओडिया, तमिल, कन्नड़ और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। निजी जिंदगी की बात करें तो मोनालिसा की शादी एक्टर विक्रांत सिंह राजपूत से हुई है। सोशल मीडिया पर मोनालिसा की अच्छी फैन फॉलोइंग है।

2026 में युवाओं का रुझान

लाइफ स्टाइल

2000 के दशक की यादों, ₹क्वाइट लग्ज़रीश और टेक्सचर वाली, एक्सप्रेसिव लेयरिंग के मेल पर आधारित है। मुख्य ट्रेंड्स में डार्क ₹स्पूकी ग्लैम,₹ यूटिलिटी कार्गो पैंट्स, और युवा प्रोफेशनल्स के लिए पॉलिश की हुई, आरामदायक फिट वाली टेलरिंग शामिल हैं। 2026 के ट्रेंड्स पर एक आर्टिकल के अनुसार, सस्टेनेबिलिटी हस्तनिर्मित, क्रिएटिव स्टाइल्स को बढ़ावा देती है, जिसमें बहुमुखी और एक्सप्रेसिव कपड़ों पर खास ध्यान दिया जाता है।

समर सीजन में अपनाएं ग्रे कलर आउटफिट्स, खूब जमेगा रंग

समर में अक्सर हम ढीले-ढाले और पतले कपड़े से बने आउटफिट्स को स्टाइल करना पसंद करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे हमें पसीना कम आता है साथ ही यह पहनने में भी कम्फर्टेबल रहते हैं। लेकिन इन्हें खरीदते समय जरूरी है कि आप आउटफिट के सही कलर को चूज करें, ताकि इन्हें पहनने के बाद आप कम्फ़र्टबल फील करें। ऐसे में आप ग्रे कलर के आउटफिट्स को वियर कर सकती हैं। इसमें आपको डिजाइन और शेड दोनों मिल जाएंगे।

टाई टी-शर्ट ड्रेस

अगर आप बाहर किसी पार्टी में या आउटटिंग के लिए जा रही हैं तो इसके लिए आप टाई टी-शर्ट ड्रेस को वियर कर सकती हैं। ग्रे कलर लाइट कलर के साथ-साथ कूल कलर भी होता है। इसलिए समर सीजन में सबसे ज्यादा पहना जाता है। आप इसके साथ चाहें तो ज्वेलरी और कुछ ट्रेंड एक्सेसरीज को एड कर सकती हैं, जिससे आउटफिट अच्छा लगे। मार्केट में इस तरह की ड्रेस आपको टी-शर्ट वाले कपड़े में भी मिल जाएगी। साथ ही आप चाहें तो इसे जॉर्जेट फैब्रिक में खरीद सकती हैं। इसके लिए आपको बाजार में 250 से 500 रुपये खर्च करने पड़ेंगे।

जंपसूट करें वियर

आप समर सीजन में जंपसूट को भी वियर कर सकती हैं। इसमें आपको प्लेन और प्रिंटेड जंपसूट के डिजाइन मिल जाएंगे। जिसे आप पार्टी या नॉर्मल डे में भी पहन सकती हैं। ग्रे कलर अच्छा लगता है। इसलिए आप चाहें तो इसके साथ लाइट ज्वेलरी को स्टाइल कर सकती हैं, जिससे आपका लुक अच्छा लगे।

मैट लिपस्टिक लगाते वक्त ध्यान में रखें स्किन

हैवी मेकअप चाहे हम रोजाना न करें, लेकिन लिपस्टिक को लगभग हम सभी रोजाना होंठों पर लगाते ही हैं। आमतौर पर इसके कलर को चुनने के लिए हम स्किन टोन को ध्यान में रखते हैं। वहीं इनमें आपको कई तरह के टेक्सचर भी देखने को मिल जाएंगे। टेक्सचर के अलावा एक मिथ यह भी मन में आता है कि क्या लिपस्टिक आपके होंठों की ड्राईनेस को बढ़ाती है या यह केवल एक मिथ है? तो आइये जानते हैं इस कि मैट लिपस्टिक क्या सच में होंठों को ड्राई कर देती हैं-

कितने तरह की होती है लिपस्टिक?

लिपस्टिक के कई प्रकार होते हैं। इनमें सबसे ज्यादा लिक्विड और क्रेयॉन को इस्तेमाल किया जाता है। इन 2 टेक्सचर के अलग-अलग फायदे और नुकसान भी होते हैं। लिक्विड की बात करें तो इनमें ऑयल की मात्रा कम होती है और यह क्रेयॉन के मुकाबले ज्यादा देर तक होंठों पर टिकी हुई रहती है। वहीं क्रेयॉन लिपस्टिक में कई प्रकार आपको देखने को मिलेंगे, जिनमें साटन मैट और मैट शामिल है। साटन मैट लिपस्टिक में काफी हल्की सी शाइन होती है और मैट में शाइन बिल्कुल भी नहीं होती है।

किस तरह की लिपस्टिक कर सकती हैं होंठों को ड्राई?

होंठों की ड्राईनेस को बढ़ाने के लिए केवल लिपस्टिक नहीं, बल्कि लिपस्टिक को बनाते समय इस्तेमाल होने वाले केमिकल भी जिम्मेदार होते हैं। वहीं ज्यादातर मैट क्रेयॉन और और लिक्विड लिपस्टिक में ऑयल की मात्रा कम होती है, जिसके कारण होंठों पर कलर लम्बे समय तक टिका रहता है लेकिन यह होंठों की त्वचा को ड्राई करने का काम भी करता है। अगर आपके होंठ ड्राई हैं तो बिल्कुल मैट लिपस्टिक को लगाना अवॉयड ही करें।

मैट लिपस्टिक लगाने का सही तरीका क्या है?

होंठों को ड्राई होने से बचाने के लिए आप मैट लिपस्टिक को लगाने से पहले लिप ऑयल या लिपस्टिक के ऊपर लिप ग्लॉस का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह आपके होंठों को मॉइस्चराइज रखने में मदद करेगा। लिप ऑयल को आप स्किन केयर रूटीन में भी शामिल करें।

टैनिंग हटाने के देसी नुस्खे, 7 दिन में दिख सकता है असर

टैनिंग हटाने के लिए नींबू, दही, बेसन, हल्दी और एलोवेरा जैसे प्राकृतिक तत्व बेहद प्रभावी होते हैं। इनका नियमित उपयोग स्किन को साफ, निखरी और टैन-फ्री बनाता है।

नींबू और शहद का मिश्रण

नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो टैनिंग को हल्का करने में मदद करती हैं। शहद स्किन को मॉश्चराइज करता है। दोनों को मिलाकर 10-15 मिनट तक लगाएं और फिर धो लें।

दही और बेसन फेस पैक

दही स्किन को ठंडक देता है और बेसन डेड स्किन हटाने में मदद करता है। इस पैक को हफ्ते में 2-3 बार इस्तेमाल करने से टैनिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है।

एलोवेरा जेल का उपयोग

एलोवेरा स्किन को शांत करता है और टैनिंग को कम करने में मदद करता है। रोज रात को सोने से पहले एलोवेरा जेल लगाने से स्किन

हेल्दी और ग्लोइंग बनती है।

खीरा और गुलाब जल

खीरा स्किन को ठंडक देता है और गुलाब जल स्किन टोन को संतुलित करता है। दोनों को मिलाकर लगाने से स्किन फ्रेश और टैन-फ्री दिखती है।

हल्दी और दूध का फेस पैक

हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं और दूध स्किन को पोषण देता है। यह पैक टैनिंग हटाने के साथ-साथ स्किन को चमकदार भी बनाता है।

नाईट क्रीम में घी का करें इस्तेमाल, स्किन से जुड़ी समस्याएं होंगी कम

स्किन की केयर करने के महिलाएं कई सारे उपाय करती है साथ ही कई तरह के प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं। इन चीजों का इस्तेमाल करने के बाद भी कई बार रिजल्ट आपकी इच्छा अनुसार नही आता है और स्किन से जुड़ी समस्या ज्यों की त्यों बनी रहती हैं। जहां दिन भर में स्किन की केयर करने के लिए महिलाएं कई सारे उपाय और प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं तो वहीं रात के समय स्किन की केयर करने में मामले में महिलाएं केयरलेस हो जाती हैं लेकिन स्किन की केयर रात में भी जरुरी हैं।

स्किन के लिए फायदेमंद है घी

घी में कई सारे गुण पाए जाते हैं और ये सभी गुण सहते के साथ-साथ बालों और स्किन के लिए फायदेमंद हैं। घी में एंटीमाइक्रोबियल गुण पाए जाते हैं और ये गुण स्किन से जुड़ी समस्या को कम करने में मदद करते हैं। वहीं घी में फैटी एसिड्स होते हैं जो स्किन के लिए फायदेमंद है साथ ही घी में पाए जाने वाले कई सारे और गुण स्किन से जुड़ी समस्या को कम करने में मदद करते हैं।इसे भी पढ़ें :घर पर ही इन तीन तरीकों से बनाएं एंटी-फ्रिज हेयर सीरम

नाईट क्रीम में करें घी का इस्तेमाल

रात के समय चेहरे पर घी लगाने से ड्राई स्किन से छुटकारा मिलता है और चेहरे के दाग धब्बे भी कम हो जाते हैं। वहीं रात के समय घी का इस्तेमाल करने से चेहरे की स्किन मुलायम और चमकदार भी होती हैं। वहीं स्किन को मॉइस्चराइज करने के लिए आप घी का इस्तेमाल किया जा सकता है साथ ही रात के समय घी लगाने से चेहरे की त्वचा ग्लो भी करेगी। रात के समय चेहरे पर स्किन लगाने से चेहरे पर रूखापन कम होता है साथ ही चेहरे से जुड़ी कई सारे समस्या भी कम होती है। घी का रात का समय इस्तेमाल करने से झुर्रियों से निजात पाया जा सकता है और आपकी त्वचा जवा नजर आएंगी।

कार्नर न्यूज

कुछ टिप्स अपनाकर आप खुद में ला सकते हैं निखार

इस मौसम में 'ड्रेस वेल' बनना है तो रंगों और पैटर्न का ध्यान रखते हो जाएं कूल-कूल, मिलेगी भरपूर तारीफ

अपने कपड़ों को लेकर हो सकता है कि आप चूजी कहलाते हों। हो सकता है कि आप महंगे कपड़े भी खूब खरीदते हों। इसके अलावा ये भी हो सकता है कि आप रंगों और पैटर्न का भी ध्यान रखते हों। लेकिन इतनी मेहनत के बाद क्या आपको ड्रेस वेल कभी भी बोला गया है? नहीं न। ऐसा इसलिए क्योंकि आपने ड्रेसिंग के बेहतरीन और जरूरी नियमों को इग्नोर कर दिया है।

'ड्रेस वेल' कैसे कहलाएं ऐसे बढ़िया ड्रेसिंग गैर डिजाइनर और सस्ते कपड़ों में भी की जा सकती है। लेकिन इसके लिए आपको कुछ टिप्स याद रखने होंगे-

फिटिंग कैसी है

कपड़े सस्ते से ही हों लेकिन उनकी फिटिंग सही हो तो मानिए कि ये आप पर अच्छे लगेंगे ही। इसलिए सूट जैसे कपड़ों में तो खासतौर पर फिटिंग का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। सूट में तो कंधों की फिटिंग जांचना जरूरी होता है।

घड़ियों में भी करें निवेश

घड़ी को हाथ के हिसाब से चुनें। ये न ज्यादा बड़ी हो और ना ही छोटी। इसलिए आप घड़ी बस सुंदरता या फिर दूसरों के स्टाइल को कॉपी करके न लें। ये अगर सही से चुनी जाए तो स्टाइल स्टेटमेंट बन जाएगी।

रंग भी बनें स्टाइल

पुरुष आज भी कपड़े खरीदते हैं तो रंगों से दूर भागते हैं। उन्हें अपने लिए सफ़ेद, काले, भूरे और नीले जैसे रंग ही समझ आते हैं। लेकिन अब रंगों को पुरुषों की स्टाइल से भी जोड़ा जाता है, हो सकता है आप पर टिपिकल पुरुषों वाले रंग सूट ही न करते हों। जबकि हल्का गुलाबी, हल्के पीले जैसे रंग भी अपने स्टाइल में शामिल कीजिए और फिर देखिए आपका स्टाइल कैसे चमक उठता है। आप अपने कलर कॉम्प्लेशन के हिसाब से रंगों पर प्रयोग करें और फिर अपने लिए चुनें भी। आप ये भी कर सकते हैं कि शुरुआत में एक कपड़े में रंग का चुनाव करें और बाकि कपड़े वही पारम्परिक रंगों में चुनें। बाद में आप पूरी ड्रेस अलग तरह के रंगों में चुन सकते हैं।

सिर्फ खरीदारी से काम नहीं चलेगा

आपने महंगे-महंगे कपड़े खरीदें हैं और इनको खरीदने के लिए आप मेहनत भी खूब करते हैं। लेकिन इसके बावजूद इन कपड़ों को दूसरी बार पहनने में ही आपका लुक बिगड़ जाता है। दूसरी बार पहनने में ही सबको लगता है कि ये आपके पुराने कपड़े हैं। दरअसल सिर्फ कपड़े खरीद लेने से काम नहीं चलता है। बल्कि कपड़ों या फिर जूतों का ध्यान भी रखना होता है। जैसे सूट है तो उसे समय-समय पर ड्राई क्लीन कराते रहें। या फिर जूतों को नियम से साफ़ करना या पॉलिश करना न भूलें।